संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 148
पृष्ठ 8
शनिवार
15 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कम उम्र में लड़कियों को आ...

विचार- आजाद का बयान नये समीकरणों...

खेल- गौतम गंभीर को करारा झटका

भारत की 'एक्ट ईस्ट' और थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति पारस्परिक समृद्धि को बढ़ावा देती हैं : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और थाईलैंड के बीच कई क्षेत्रों में जीवंत साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति एक दूसरे की पूरक हैं और ये पारस्परिक प्रगति तथा समृद्धि को बढ़ावा देती हैं। श्री मोदी ने शुक्रवार को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान वीडियो संदेश के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मेलन भारत और थाईलैंड दोनों देशों की मैत्री में एक और सफल अध्याय का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को याद किया और कहा कि संवाद का विचार 2015 में उन दोनों की बातचीत से उभरा था। तब से संवाद ने विभिन्न देशों की यात्रा की है, तथा बहस, संवाद और गहन समझ को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि थाईलैंड एशिया की साझा दार्शनिक और आध्यात्मिक परंपराओं का सुंदर

उदाहरण है। श्री मोदी ने भारत और थाईलैंड के बीच दो हजार वर्षों से भी अधिक समय से चले आ रहे गहरे सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि रामायण और रामकियेन दोनों देशों को जोड़ते हैं तथा भगवान बुद्ध के प्रति उनकी साझा श्रद्धा उन्हें एकजुट करती है। उन्होंने भारत और थाईलैंड के बीच कई क्षेत्रों में जीवंत साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति एक दूसरे की पूरक हैं, जो पारस्परिक प्रगति और समृद्धि को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन दोनों देशों के बीच मैत्री में एक और सफल अध्याय का प्रतीक है। संवाद कार्यक्रम की थीम पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा कि लोग अक्सर एशिया के आर्थिक उत्थान का उल्लेख करते हैं, लेकिन यह सम्मेलन इस बात पर प्रकाश डालता है कि एशियाई शताब्दी केवल आर्थिक मूल्य के बारे में नहीं बल्कि सामाजिक मूल्यों के बारे में भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भगवान बुद्ध की शिक्षा दुनिया को शांतिपूर्ण और प्रगतिशील बनाने में मार्गदर्शन कर सकती हैं, और उनका ज्ञान मानव–केंद्रित भविष्य की ओर ले जाने की शक्ति रखता है। संवाद के मुख्य विषयों में से एक– संघर्ष से बचने के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष अक्सर इस विश्वास से उत्पन्न होते हैं कि केवल एक ही रास्ता सही है जबकि अन्य गलत हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर भगवान बुद्ध की अंतर्दृष्टि का हवाला देते हुए कहा कि कुछ लोग अपने ही विचारों से चिपके रहते हैं और केवल एक ही पक्ष को सही मानते हुए बहस करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ही मुद्दे पर कई दृष्टिकोण हो सकते हैं। उन्होंने ऋग्वेद का हवाला देते हुए कहा कि जब हम स्वीकार करते हैं कि सत्य को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है, तो हम संघर्ष से बच सकते हैं। श्री मोदी ने संघर्ष के एक अन्य कारण पर प्रकाश डाला– दूसरों को खुद से मौलिक रूप से अलग समझना। उन्होंने कहा कि मतभेद दूरी की ओर ले जाते हैं और दूरी कलह में बदल सकती है। इसका मुकाबला करने के लिए, उन्होंने धम्मपद के एक श्लोक का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि हर कोई दर्द और मृत्यु से डरता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दूसरों को अपने जैसा मानकर हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि कोई नुकसान या हिंसा न हो। उन्होंने कहा कि अगर इन शब्दों का पालन किया जाए, तो संघर्ष से बचा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, " दुनिया के कई मुद्दे संतुलित दृष्टिकोण के बजाय अतिवादी रुख अपनाने से उत्पन्न होते हैं।" उन्होंने कहा कि अतिवादी विचार संघर्ष, पर्यावरण संकट और यहां तक घ्कि तनाव से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन चुनौतियों का समाधान भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में निहित है, जिन्होंने हमें मध्यम मार्ग का अनुसरण करने और अतिवाद से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयम का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में मार्गदर्शन प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज संघर्ष लोगों और राष्ट्रों से आगे बढ़ रहे हैं, मानवता प्रकृति के साथ संघर्ष में तेजी से बढ़ रही है।

सपनों को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगायें महिलाएं : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रत्येक महिला से हिम्मती बनने, बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने के लिए पूरी ताकत तथा क्षमता का इस्तेमाल करने को कहा है। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि भारत की नारी शक्ति आकांक्षा, उपलब्धि और योगदान के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, "चाहे वह विज्ञान हो, खेल हो, राजनीति हो, कला हो या संस्कृति हो, हमारी बहनें और बेटियाँ अपना सिर ऊँचा करके आगे बढ़ रही हैं। वे अपने परिवार, संस्थानों और देश को गौरवान्वित कर रही हैं। मानसिक शक्ति के बिना बाधाओं को तोड़ना और रूढ़ियों को चुनौती देना संभव नहीं है।" उन्होंने प्रत्येक महिला से साहस जुटाने, बड़े सपने देखने और सपनों को हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत और क्षमता का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य की ओर प्रत्येक व्यक्ति द्वारा उठाया गया प्रत्येक

छोटा कदम, विकसित भारत की ओर एक कदम है। राष्ट्रपति ने कहा कि हम तकनीकी व्यवधान के युग में हैं। प्रौद्योगिकी में प्रगति ने हमें कुछ मायनों में बेहतर जीवन स्तर प्रदान किया है। ऐसी प्रतिस्पर्धी दुनिया में, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे मानवीय मूल्य बरकरार रहें। वास्तव में, प्रत्येक मनुष्य को करुणा, प्रेम और एकता के मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सचेत रूप से अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। यहीं पर महिलाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। महिलाओं में करुणा के माध्यम से नेतृत्व करने की विशेष क्षमता होती है। वे व्यक्ति से परे देखने और वैश्विक स्तर पर परिवारों, समुदायों और यहां तक घ्कि रिश्तों की भलाई के लिए काम करने की क्षमता रखती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सम्मेलन में भाग लेने वाली सभी महिलाएं ऐसे आध्यात्मिक सिद्धांतों के साथ सामने आएंगी, जिन्हें लोग अपने जीवन और अपने आस–पास के लोगों के जीवन को और अधिक सुंदर तथा शांतिपूर्ण बनाने के लिए लागू कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षा के क्षेत्र में कई पहल कर रहा है।

फिर बढ़ेगी सत्येंद्र जैन की मुश्किलें, गिरफ्तार करने के लिए गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति से मांगी मंजूरी

गृह मंत्रालय (एमएचए) ने राष्ट्रपति से दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ अभियोजन मंजूरी देने का अनुरोध किया है। अधिकारियों ने कहा कि मंत्रालय ने 60 वर्षीय राजनेता के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत मंजूरी मांगी है। उन्होंने कहा कि मंजूरी के लिए अनुरोध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच और पर्याप्त सबूत की मौजूदगी के आधार पर किया गया था। जैन पर प्रवर्तन निदेशालय ने कथित हवाला लेनदेन से जुड़े मनी–लॉन्ड्रिंग मामले में मामला दर्ज किया था और मई 2022 में गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल जमानत पर बाहर जैन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप पत्र दायर किया है। मनी–लॉन्ड्रिंग का मामला अगस्त 2017 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से उपजा है, जिसमें आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाया गया था। दिसंबर 2018 में, सीबीआई ने एक आरोप पत्र दायर किया, जिसमें कहा गया कि कथित आय से अधिक संपत्ति घ्1.47 करोड़ थी, जो 2015–17 के बीच जैन की आय के ज्ञात स्रोतों से लगभग 217 प्रतिशत अधिक है। सत्येन्द्र जैन 18 अक्टूबर को तिहाड़ जेल से बाहर आये, आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। संघीय एजेंसी (ईडी) द्वारा जांच की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शहर की एक अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी, जिसमें कहा गया था कि मुकदमा शुरू होने की ष्कोई संभावना नहींष थी, पूरा होने की बात तो दूर की बात है।

नये आपराधिक कानूनों को जल्द से जल्द लागू करें महाराष्ट्र सरकार : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र सरकार से नए आपराधिक क़ानूनों को राज्य में जल्द से जल्द पूरी तरह लागू करने को कहा है। श्री शाह ने शुक्रवार को यहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की उपस्थिति में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के महाराष्ट्र में कार्यान्वयन और उनकी वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देशवासियों को त्वरित व पारदर्शी न्याय प्रणाली देने के लिए मोदी सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था मजबूत बनाने के लिए अपराधों का दर्ज होना ज़रूरी है, इसलिए प्राथमिकी दर्ज करने में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नए आपराधिक कानूनों को पूरे राज्य में जल्द से जल्द लागू करने को कहा। श्री शाह ने कहा कि महाराष्ट्र नए आपराधिक कानूनों के अनुरूप

एक आदर्श डायरेक्टरेट ऑफ प्रॉसिक्यूशन की व्यवस्था बनाए। उन्होंने कहा कि 7 साल से अधिक सजा के मामलों में 90 प्रतिशत से अधिक दोषसिद्धि हासिल करने के प्रयास किए जाएं और पुलिस, सरकारी वकील एवं न्यायपालिका मिलकर दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने का प्रयास करें। गृह मंत्री ने एक बार फिर जोर दिया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी संगठित अपराध, आतंकवाद और मॉब लिंचिंग के मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि इन अपराधों से जुड़ी धाराओं का दुरुपयोग न हो। उन्होंने कहा कि जेलों, सरकारी अस्पतालों, बैंक, फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी इत्यादि परिसरो में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए साक्ष्य दर्ज करने की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए जिसमें अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम के जरिए दो राज्यों के बीच प्राथमिकी को ट्रांसफर किया जा सके।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को इस प्रणाली को अपनाना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि पुलिस को पूछताछ के लिए हिरासत में रखे गए लोगों की जानकारी इलेक्ट्रॉनिक डैशबोर्ड पर प्रदान करनी चाहिए।

कांग्रेस ने दी पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 2019 में जम्मू–कश्मीर के पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद सीआरपीएफ के 40 जवानों को शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री खरगे ने कहा "एक ऋणी राष्ट्र के रूप में, हम अपने पुलवामा शहीदों के अदम्य साहस और बलिदान को सलाम करते तहैं। उनके प्रति हमारा हार्दिक आभार। भारत माता के लिए उनके निस्वार्थ बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा।" श्री गांधी ने कहा "पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हमारे वीर जवानों को शत–शत नमन और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत उनका सर्वोच्च बलिदान कभी नहीं भूलेगा।" श्रीमती वाड्रा ने कहा , "हम पुलवामा आतंकी हमले में सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे जांबाज सैनिकों को नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि। देश वीर शहीदों और उनके परिवारजनों का हमेशा ऋणी रहेगा। जय हिंद।"

सीतारमण ने की असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश : राघव

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तकनीकी शब्दों का इस्तेमाल करके मध्यम वर्ग को गुमराह करने और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की है। श्री चड्ढा ने एक्स पर आज वीडियो जारी करके बताया कि कैसे वित्त मंत्री ने तकनीकी शब्दों का इस्तेमाल करके मध्यम वर्ग को गुमराह करने और असली टैक्स मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की

है। वित्त मंत्री ने उनकी बातों का मजाक उड़ाया और उन पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि उन्हें राज्यसभा में अपनी स्थिति स्पष्ट करने का मौका नहीं दिया गया इसलिए उन्होंने सीधे वीडियो के जरिए इस मुद्दे पर अपनी बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बजट भाषण में कई महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। उन्होंने रेल यात्रियों की समस्याएं, मिडिल क्लास की खस्ता माली हालत, अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ और गिरते भारतीय रुपये पर अपनी बात संसद में रखी थी लेकिन वित्त मंत्री ने इन गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज कर दिया।

पीएम मोदी–राहुल गांधी करेंगे नए चुनाव आयुक्त का चयन

भारत के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम को अंतिम रूप देने के लिए पीएम मोदी की अगुवाई वाली चयन समिति अगले सप्ताह बैठक करेगी। वर्तमान सीईसी राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति से पहले, पैनल एक खोज समिति द्वारा चुने गए उम्मीदवारों में से एक नाम की सिफारिश करेगा। चयन समिति में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं।

2025 का कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान डा विनम्रसेन सिंह, रंजन पाण्डेय, अनवार अब्बास नकवी, डॉ प्रदीप चित्रांशी एवं रचना सक्सेना को दिया जाएगा

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच द्वारा हर वर्ष दिया जाने वाला कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025 इस बार डॉ विनम्रसेन सिंह को उनकी आलोचनात्मक कृति श्कलम आज उनकी जय बोलश, रंजन पाण्डेय को उनके उपन्यास श्कोटा फीवरश , अनवार अब्बास नकवी को उनके नाटक श्दहा दशहराश, डॉ प्रदीप चित्रांशी को उनके कहानी संग्रह शतिनका तिनका बिखर गया और रचना सक्सेना को उनके काव्य संग्रहश छंद रचनाश के लिए 24 फरवरी को हिन्दुस्तानी एकेडमी में एक सम्मान समारोह में दिया जाएगा। उक्त जानकारी शहर समता की प्रकाशन मंत्री मिली श्रीवास्तव ने दी।

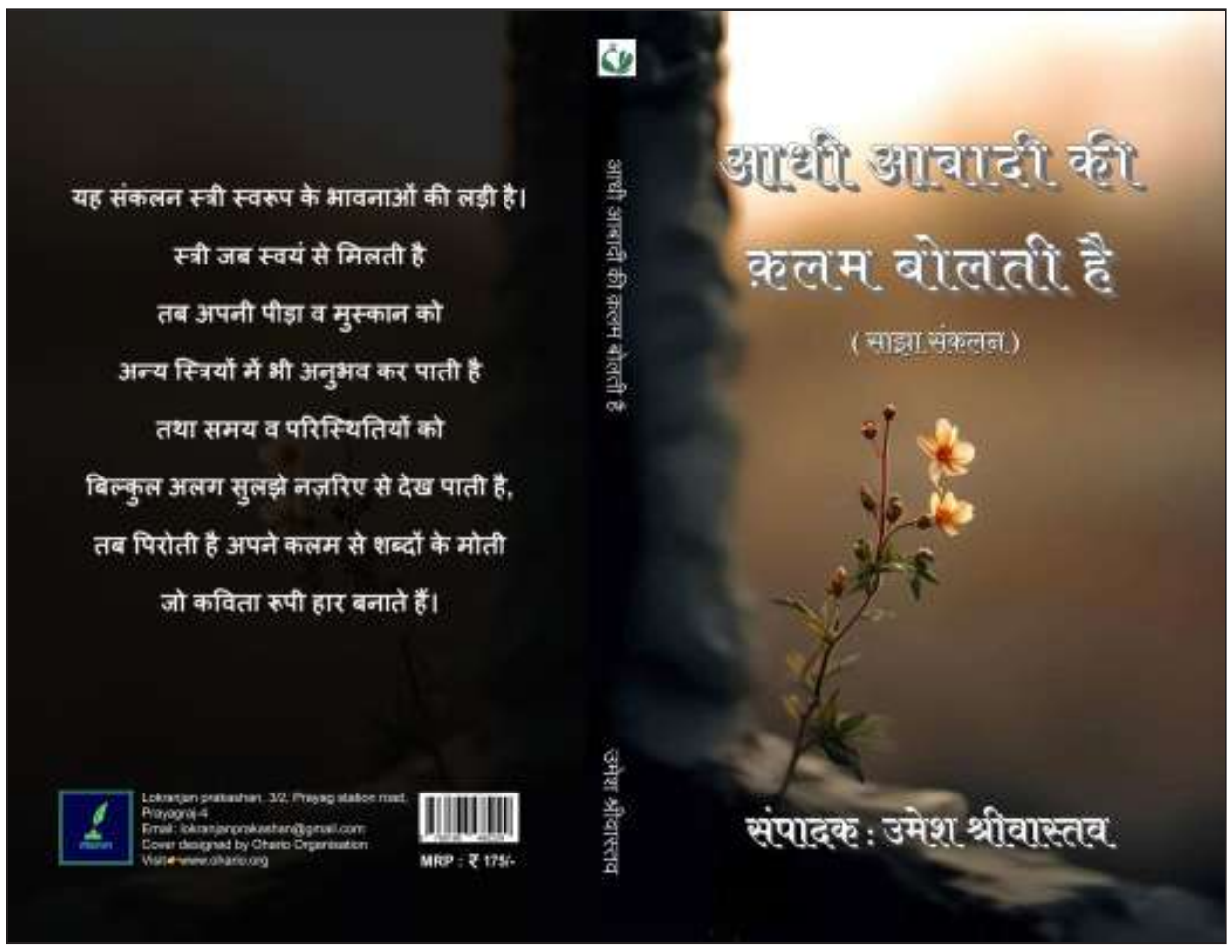

तीन दिन की राहत के बाद फिर जाम की चपेट में आया शहर, नैनी में पांच किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जाम को लेकर सख्त रुख अख्तियार किया है। सीएम ने अधिकारियों से सड़क पर उतरकर जाम से निपटने का निर्देश जारी किया है।

तीन दिन राहत के बाद शुक्रवार को शहर फिर जाम की चपेट में आ गया। शहर के बालसन, एएन झा मार्ग सहित नया यमुना ब्रिज से लेकर सेंट्रल जेल नैनी तक लंबा जाम लगा हुआ है। दोपहर 12 बजे मिर्जापुर रोड पर पांच किलोमीटर लंबा जाम रहा। वाहन रेंगते नजर आए। डेढ़ किलोमीटर लंबा नया यमुना ब्रिज पार करने में दो घंटे से अधिक समय लग जा रहा है। माघी पूर्णिमा बीतने के बाद उम्मीद थी कि भीड़ का दबाव कम होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लगातार भीड़ बढ़ने के बाद शहर फिर जाम की चपेट में आग गया है। सिविल लाइंस से मेला क्षेत्र जाने वाले मार्ग पर कई जगह जाम की स्थिति बनी है। इसी तरह झूंसी, नैनी और फाफामऊ इलाके में कई किलोमीटर जाम लगा हुआ है। स्थिति यह है कि पार्किंग में वाहन खड़ा करने का स्थान भी कम बचा है। कई घंटे तक वाहनों के रेंगने के चलते उसमें बैठे श्रद्धालुओं की हालत खस्ता हो गई है।

महाकुंभ में जाम को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह स्वयं सड़क पर उतरें और व्यवस्था को संभालें। कहा कि प्रयागराज महाकुंभ नगर, प्रयागराज जनपद, अयोध्या वाराणसी और आसपास के सभी जिलों में कहीं भी सड़क पर जाम ना लगे। हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें। जहां जाम होगा वहां के अधिकारियों के जवाबदेही तय होगी।

शहर की ओर से मेले में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्ग पुराने हर्षवर्धन चौराहे के पास अलोपीबाग चुंगी पुल के नीचे वाहनों की लंबी कतार लगी है। जाम में चपेट में आने से लोगों को संगम पहुंचने में कई घंटे लग रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के सिपाही तैनात हैं लेकिन वाहनों के भारी दबाव के आगे वह बेबस दिख रहे हैं।

दूसरे प्रदेशों बिहार, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से प्रयागराज पहुंचकर श्रद्धालु जाम में घंटों फंस जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के रीवां से आए विक्रम प्रसाद ने बताया कि वह सुबह छह ही नैनी स्टेशन पर पहुंच गए थे, लेकिन दोपहर 12 बजे तक संगम नहीं पहुंच पाए हैं। जितना देर रीवां से प्रयागराज आने में लगा उससे ज्यादा समय नैनी से संगम पहुंचने में लग रहा है।

574 ट्रेनों से 25.63 लाख यात्रियों की हुई आवाजाही, माघी पूर्णिमा पर हर 4.39 मिनट पर चली ट्रेन

प्रयागराज। महाकुंभ का पांचवां प्रमुख स्नान पर्व माघी पूर्णिमा सफलता पूर्वक बीत गया। इस स्नान पर्व ट्रेनों से काफी संख्या में यात्रियों का आवागमन हुआ। इस स्नान पर्व पर रेलवे द्वारा 42 घंटे में 574 ट्रेनों का संचालन किया गया। महाकुंभ का पांचवां प्रमुख स्नान पर्व माघी पूर्णिमा सफलता पूर्वक बीत गया। इस स्नान पर्व ट्रेनों से काफी संख्या में यात्रियों का आवागमन हुआ। इस स्नान पर्व पर रेलवे द्वारा 42 घंटे में 574 ट्रेनों का

संचालन किया गया। इस दौरान कुल 25.63 लाख यात्रियों की आवाजाही हुई। खास बात यह रही कि माघी पूर्णिमा पर रेलवे द्वारा प्रत्येक 4.39 मिनट पर ट्रेन चलाई गई।माघी पूर्णिमा के मौके पर 12 फरवरी की रात 12 बजे तक 353 स्पेशल एवं रेगुलर ट्रेनों का संचालन किया गया। इससे कुल 17.20 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। वहीं 12 फरवरी की रात 12 बजे से लेकर बृहस्पतिवार की शाम छह बजे तक 221 अन्य रेगुलर एवं स्पेशल ट्रेन से 8.43 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए भेजा गया। इस तरह से 42 घंटे में संगम नगरी के प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयागराज रामबाग, झूंसी, प्रयाग और फाफामऊ रेलवे स्टेशन से 574 ट्रेनों का संचालन कर दिया गया।

बृहस्पतिवार को भी श्रद्धालुओं का आवागमन जारी रहा। अगर स्पेशल ट्रेनों की बात की जाए तो शाम छह बजे तक ही 82 स्पेशल रेलवे द्वारा चलाई जा चुकी थी। इसमें से सर्वाधिक 50 स्पेशल प्रयागराज जंक्शन से चली। यहां से मानिकपुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और कानपुर रूट के लिए काफी संख्या में यात्री रवाना हुए। इसी तरह प्रयागराज छिवकी से 03 नैनी से 02, सूबेदारगंज से 03, प्रयाग से 08, फाफामऊ से 02, प्रयागराज रामबाग से 03 एवं झूंसी से 11 स्पेशल चलाई गई।

ट्रेनों के साथ विमानों से भी महाकुंभ के मौके पर काफी संख्या में लोगों का आवागमन हो रहा है। माघी पूर्णिमा पर बुधवार को प्रयागराज एयरपोर्ट पर 78 विमानों से 12497 यात्रियों का आवागमन हुआ। इस दौरान 21 नॉन शेड्यूल विमान से 26 यात्रियों का आगमन एवं 22 नॉन शेड्यूल विमान से 88 यात्री यहां से रवाना हुए। माघी पूर्णिमा पर सर्वाधिक 15 विमान स्पाइस जेट के यहां पहुंचे। इसके अलावा इंडिगो के 12, एयर इंडिया के 05, एलाइंस एयर के 04 एवं अकासा एयर के 03 विमान का आगमन एवं प्रस्थान हुआ। बुधवार को इन विमानों से 6255 यात्रियों का आगमन एवं 6242 की रवानगी हुई। इस दौरान विमानन कंपनी इंडिगो के दो विमान निरस्त भी हुए।

चिदानंद सरस्वती बोले: धरती ही हमारी वैलेंटाइन, धरा से हो प्यार तो पीढ़ियों का होगा उद्धार

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। वैलेंटाइन डे के अवसर पर जब प्रेम और स्नेह की भावनाओं का आदान–प्रदान होता है, तब परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, साध्वी भगवती सरस्वती ने दुनिया भर के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालुओं को एक विशेष संदेश दिया है 'धरती ही हमारी वैलेंटाइन है।'

वैलेंटाइन डे के अवसर पर जब प्रेम और स्नेह की भावनाओं का आदान–प्रदान होता है, तब परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, साध्वी भगवती सरस्वती ने दुनिया भर के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालुओं को एक विशेष संदेश दिया है 'धरती ही हमारी वैलेंटाइन है।' इस अवसर पर उन्होंने संगम के आस–पास और अरैल घाट पर एक महास्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य पृथ्वी, जल, वायु और पर्यावरण की सुरक्षा

के प्रति जन जागरूकता फैलाना है और यह संदेश देना था कि अगर हम धरती से प्यार करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों का उद्धार संभव होगा। स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती ने संदेश दिया कि हम सभी को धरती के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। स्वामी चिदानंद ने कहा कि हमारी धरती हमारी वैलेंटाइन है। वह हमें जीवन देती है, अब हमारी बारी है कि हम अपनी धरा को प्रेम और संरक्षण प्रदान करें। अगर हम धरती को संरक्षण देंगे, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और हरित बनेगी। हमारे पूज्य संतों और ऋषियों ने हमेशा धरती के प्रति प्रेम और सम्मान का संदेश दिया। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि जब तक हम अपनी धरती का ख्याल नहीं रखेंगे, तब तक हम अपने भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते। हर एक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, चाहे वह कचरा प्रबंधन हो या जल संरक्षण हो या वृक्षारोपण हो, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा कि हम जो प्लास्टिक कचरा अपनी धरती पर डालते हैं, वह भविष्य के लिए घातक है। यही समय है जब हम अपने पर्यावरण को बचाने के लिए कदम उठाएं। हम सभी अपनी जिम्मेदारी समझें, तो हम दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। महाकुंभ बाहर व भीतर की स्वच्छता का संदेश देता है। प्लास्टिक प्रदूषण आज हमारी धरती के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि हमारे जल स्रोतों और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी यह गंभीर संकट उत्पन्न कर रहा है। इसलिए हमें प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करना होगा और उसे पुनः उपयोग और पुनर्नवीनीकरण के तरीकों से निपटना होगा।

साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ गंदगी को साफ करना नहीं था, बल्कि यह समझाना था कि सफाई सिर्फ हमारे घरों और शहरों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह हमारी धरती की रक्षा करने का एक तरीका है। जब तक हम अपनी धरती को साफ नहीं रखते, हम उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित नहीं रख सकते। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने सभी का आह्वान करते हुए कहा, हमारी आगे आने वाली पीढ़ी के लिए एक हरी–भरी और साफ–सुथरी धरती छोड़ना हमारा कर्तव्य है। हम जितना जल्दी इस दिशा में कदम उठाएंगे, उतना ही अधिक हम अपनी धरती को बचा सकते हैं।

जब अक्षयवट दर्शन के लिए अंग्रेजों ने लगाए थे टिकट, श्रद्धालुओं के विरोध पर वापस लिया था फैसला

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। सवा सौ साल पहले अंग्रेजों ने अक्षयवट देखने के लिए टिकट लगा रखा था। यह टिकट भी अंग्रेज सिपाही वितरित करते थे, लेकिन इस पर एतराज जताते

हुए श्रद्धालु भड़क उठे थे। सवा सौ साल पहले अंग्रेजों ने अक्षयवट देखने के लिए टिकट लगा रखा था। यह टिकट भी अंग्रेज सिपाही वितरित करते थे, लेकिन इस पर एतराज जताते हुए श्रद्धालु भड़क उठे थे। उनका कहना था टिकट लेने के दौरान अंग्रेज सिपाहियों के छूने से वह अपवित्र हो जाते हैं।

महाकुंभ में बना महारिकॉर्ड, दोपहर 12बजे तक कुल श्रद्धालुओं की संख्या पहुंची 49.50 करोड़ के पार

प्रयागराज। लोग तड़के से ही स्नान कर रहे हैं और जैसे जैसे दिन निकल रहा है संगम की ओर श्रद्धालुओं की संख्या अधिक हो रही है।

ओएसडी कुंभ आकांक्षा राणा ने कहा, श्यहां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जा रहा है, जहां 300 सफाई कर्मचारी द्वारा विभिन्न स्थानों पर नदी की सफाई की जा रही है। हम अपनी नदियों और जल निकायों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए एक संदेश देना चाहते हैं। कल हम स्ट्रीट स्वीपिंग में एक विश्व रिकॉर्ड बनाएंगे, जहां 15000 सफाई कर्मचारी एक साथ सड़कों की सफाई करेंगे।श

तीन दिन राहत के बाद शुक्रवार को शहर फिर जाम की चपेट में आ गया। शहर के बालसन, एएन झा मार्ग सहित नया यमुना ब्रिज से लेकर सेंट्रल जेल नैनी तक लंबा जाम लगा हुआ है। दोपहर 12 बजे मिर्जापुर रोड पर पांच किलोमीटर लंबा जाम रहा। वाहन रेंगते नजर आए। डेढ़ किलोमीटर लंबा नया यमुना ब्रिज पार करने में दो घंटे से अधिक समय लग जा रहा है।

विश्व की अमूर्त धरोहर महाकुंभ में अभी तक 49.50 करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा समागम पहले ही बन चुका है।

शुक्रवार को महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ के आंकड़े को पार कर सकती है। एक दिन में दोपहर 12 बजे तक एक 53.95 लाख लोग त्रिवेणी में स्नान कर चुके हैं। इनमें दो लाख कल्पवासी हैं और 51.95 लाख श्रद्धालु। 13 फरवरी तक 49 करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं। अगर आज की भी संख्या जोड़ दें तो यह आंकड़ा 49.50 करोड़ के आंकड़े को भी पार कर गया है।

प्रयागराज में महाकुंभ में पवित्र स्नान करने के बाद श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

संगम जाने वाले रास्ते पर श्रद्धालुओं को जाम का सामना करना पड़ रहा है। झूंसी में भीषण जाम के बीच श्रद्धालु फंसे हैं।

त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाने के लिए लगातार श्रद्धालु प्रयागराज में महाकुंभ पहुंच रहे हैं। 49 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। आज भी काफी संख्या में लोग पहुंचे हैं। काफी श्रद्धालु जाम में फंसे हैं।

महाकुंभ में यातायात प्रबंधन को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों को व्यवस्था में लगने को निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि महाकुंभ नगर, प्रयागराज, अयोध्या या वाराणसी एवं आसपास के सभी जिलों में कहीं भी जाम न लगे। प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें। जहां भी जाम लगा, अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आज दोपहर 2 बजे फ्लाइट से बमरौली एयरपोर्ट, प्रयागराज पहुंचेंगे। उनका महाकुंभ मेला भ्रमण एवं संगम स्नान का कार्यक्रम है। वे आज ही दोपहर साढ़े चार बजे वाराणसी के लिए प्रस्थान करेंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी संगम पहुंचेंगे।

महाकुंभ में भ्रामक पोस्ट करने वाले 22 और सोशल मीडिया अकाउंट पर केस

प्रयागराज। महाकुंभ से जोड़कर भ्रामक पोस्ट करने पर पुलिस ने 22 और सोशल मीडिया अकाउंट पर मुकदमा दर्ज किया है। दो पुराने वीडियो मेले से जोड़कर पोस्ट किए गए हैं। बीते माह में कुल 53 सोशल मीडिया अकाउंट पर केस दर्ज हो चुका है।

महाकुंभ से जोड़कर भ्रामक पोस्ट करने पर पुलिस ने 22 और सोशल मीडिया अकाउंट पर मुकदमा दर्ज किया है। दो पुराने वीडियो मेले से जोड़कर पोस्ट किए गए हैं। बीते माह में कुल 53 सोशल मीडिया अकाउंट पर केस दर्ज हो चुका है। पहला वीडियो मिस्त्र देश का है। 14 जुलाई वर्ष 2020 में हुए अग्निकांड से संबंधित वीडियो को भ्रामक रूप से महाकुंभ का बता अफवाह फैलाई जा रही थी। वीडियो के माध्यम से बताया गया कि महाकुंभ में तीसरी बार आग लगने से बस स्टैंड पर 40 से 50 गाड़ियां जलकर राख हो चुकी हैं। इसमें कुल सात अकाउंट पर केस दर्ज किया गया है। वहीं, दूसरा वीडियो बिहार का 2024 का है। इसमें पुष्पा–2 फिल्म के प्रमोशन से संबंधित कार्यक्रम के वीडियो को भ्रामक रूप से महाकुंभ का बता अफवाह फैलाई गई। कहा गया कि कुंभ में राष्ट्रवादी और सनातनी लोगों ने आर्मी वालों पर चप्पलें फेंकीं। इसमें कुल 15 सोशल अकाउंट पर केस दर्ज किया गया है।

महाकुंभ में हुए हादसे से संबंधित तथ्यों को रिकॉर्ड पर लाएं, अब 19 फरवरी को होगी सुनवाई

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुए हादसे में जाने गंवाने वाले और लापता श्रद्धालुओं की सही जानकारी के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसमें सरकार पर सही जानकारी नहीं देने का आरोप लगाते हुए न्यायिक निगरानी समिति गठित करने की मांग की गई है। अब इस संबंध में मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली एवं न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को मामले में आवश्यक तथ्य और रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, जिसके आधार पर सरकार से जवाब तलब किया जा सके।

हाईकोर्ट में सुरेश चंद्र पांडेय की ओर से दायर जनहित याचिका में मृतक व लापता लोगों का विवरण एकत्र करने के लिए न्यायिक निगरानी समिति गठित करने की मांग की गई है। साथ ही अनुरोध किया गया है कि जांच समिति की जानकारी प्रमुख और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जाए, ताकि लोग घटना के संबंध में समिति को जानकारी दे सकें। साथ ही मांग की गई है कि मुख्य चिकित्साधिकारी महाकुंभ और मुख्य चिकित्साधिकारी प्रयागराज को घायलों और मृतकों के संबंध में रिकॉर्ड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जाए।

याचिका पर अधिवक्ता ने दलील दी कि सरकार की ओर से गठित जांच आयोग का दायरा बहुत सीमित है। आयोग के जांच के दायरे में लापता लोगों का पता लगाने तथा घटना में कितने लोगों की मृत्यु हुई शामिल नहीं है। यह भी दलील दी गई कि सरकार स्नानार्थियों की संख्या की जानकारी तो शीघ्रता से देती है, लेकिन मृतकों की संख्या बताने में 18 घंटे लग गए। इस पर कोर्ट ने कहा कि याचिका मूलतरू कुछ रिपोर्टों पर आधारित है, लेकिन किसी भी रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर नहीं रखा गया है। याचिका में दिए गए कथनों के अलावा साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। याचिका पर तथ्य प्रस्तुत करने के लिए अधिवक्ता की ओर से समय मांगा गया।

व्यवसायी व नेता विनीत जायसवाल को हाईकोर्ट से राहत, विधायक दीनानाथ भाष्कर ने दर्ज कराया है मुकदमा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्यवसायी व नेता विनीत जायसवाल को बड़ी राहत दी है। एससीध्एसटी एक्ट सहित विभिन्न मामलों में दर्ज मुकदमे में ट्रायल कोर्ट भदोही–ज्ञानपुर की ओर से जारी किए गए समन आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल की पीठ ने अपील पर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्यवसायी व नेता विनीत जायसवाल को बड़ी राहत दी है। एससीध्एसटी एक्ट सहित विभिन्न मामलों में दर्ज मुकदमे में ट्रायल कोर्ट भदोही–ज्ञानपुर की ओर से जारी किए गए समन आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल की पीठ ने अपील पर दिया। भदोही के औराई थाने में 15 नवंबर 2023 को भाजपा विधायक दीनानाथ भाष्कर ने विनीत जायसवाल उर्फ राजू जायसवाल पर एससीध्एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। विधायक ने आरोप लगाया था विनीत उनके आवास पर आए थे और वह नगर पालिका परिषद भदोही से अध्यक्ष पद के लिए अपनी पत्नी की पैरवी करने की बात कही।

ममता कुलकर्णी का इस्तीफा हुआ नामंजूर, किन्नर अखाड़े में हुई वापसी

प्रयागराज। ममता ने पद से इस्तीफा देने के दौरान कहा था, श्मैं महामंडलेश्वर यामाई ममता नंदगिरी, मैं इस पोस्ट से इस्तीफा दे रही हूं। किन्नर अखाड़े या दो अखाड़ों में मेरे महामंडलेश्वर के पद को लेकर काफी समस्याएं हो रही हैं।श

पूर्व बॉलीवुड अदाकारा ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़े में वापस शामिल हो गईं। उन्होंने महामंडलेश्वर का पद भी स्वीकार

कर लिया है। उनको महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद से शुरू हुए विवाद के चलते 10 फरवरी को उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया था।

ममता ने पद से इस्तीफा देने के दौरान कहा था, श्मैं महामंडलेश्वर यामाई ममता नंदगिरी, मैं इस पोस्ट से इस्तीफा दे रही हूं। किन्नर अखाड़े या दो अखाड़ों में मेरे महामंडलेश्वर के पद को लेकर काफी समस्याएं हो रही हैं। मैं पिछले 25 साल से साध्वी थी और साध्वी ही रहूंगी।

लोकाभिराम श्रीराम के सर्वसमावेशी चरित की भावपूर्ण मुग्धकारी नाट्य प्रस्तुति

प्रयागराज। लोकाभिराम श्रीराम के उदात्त चरित को समर्पित रामायण के विविध प्रसंगो पर केन्द्रित भक्तिरस सराबोर मुग्धकारी नाट्य प्रस्तुति, कौशल्या और कौशल्या नंदन राम को समर्पित बघेली भजन, मध्यप्रदेश के जनजातीय लोकनृत्यों की मंचीय प्रस्तुतियां मध्यपद्रेश मंडप में उपस्थित श्रद्धालुओं व दर्शकों को लुभाती रही। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के सेक्टर सात स्थित मध यप्रदेश मंडप में सांस्कृतिक संध्या का श्रीगणेश भोपाल की शीला त्रिपाठी के बघेली भजनों से हुआ धनि–धनि नगर अयोध्या धनिय राजा दशरथु, भोला सजि के चले हैं हिमाचल नगरी तथा 'कौशल्या के कुमार सलो ना हो–कीउ जादू न डारे आदि भजनों ने भक्ति रस की निर्मल धारा से श्रोताओं को भाववि भोर कर दिया, डिण्डौरी के जनजातीय समुदाय के पारम्परिक नृत्यों की छटा भी दर्शकों से संवाद करती नजर आई। सांस्कृतिक संध्या की सर्वोत्तम प्रस्तुति भोपाल के रंगश्री लिटिल बैले ग्रुप की रामायण

पर आधारित नृत्य नाट्य था। राम विवाह और अयोध्या आगमन के बाद वाल्मीकि और रामचरित मानस में वर्णित प्रसंगो को अत्यन्त भावपूर्णव भक्तिरस से सिंचित संवादों को नृत्य–नाट्य शैली में अभिव्यक्ति दी गई। भोपाल की इस नाट्य संस्था की स्थापना 1952 में शांति वर्द्धनगुलवर्धन द्वारा की गई थी। अब तक यह नाट्य संस्था देष–विदेष में रामायण बैले की 700 प्रस्तुतियॉ कर चुकी है। नृत्य–नाट्य में राम के सर्वसमावेशी उदात्त–चरित, भारतवर्ष के सांस्कृतिक एकता का संवाहक और भक्ति भाव से परिपूर्ण उनके कठोर और करूणानिधान रूप का अत्यन्त मार्मिक ढंग से अभिनीत किया गया। राम विवाह अयोध्या आगमन, वनवास, सीताहरण और उसके वाद के प्रसंगों को समेटती हुई यह नाट्य प्रस्तुति रावण वध और 'सबके राम सब–राम के' और रामराज्य की स्थापना के साथ समाप्त हुइ। राम–जटायू के रूप में प्रताप महंता, सीता के रूप में दीप्ति मंहता, दशरथ, हनुमान–देवाशीश मंहता, कौशल्या, सूर्यणखा–पद्मा सोनकर, वशिष्ठ, सुग्रीव व केवट के रूप में संजय इंगले, रावण दयानिधि ा, स्वर्ण मृग व त्रिजटा के रूप में मोनिका पाण्डेय का अभिनय अयन्त प्रभावी था। 15 से 17 फरवरी तक सती लीला नाट्य, लोक वाद्य कचहारी, लोक–जनजातीय नृत्यों व निमाडी गायन।

मध्यप्रदेश मण्डपम में म.प्र. शासन के आनंद विभाग द्वारा नैतिक व मानसिक रूप से श्रद्धालुओं को अल्पविराम व अन्य यौगिक क्रियाओं द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक इस विभाग के प्रशिक्षकों द्वारा पांच हजार से भी अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

कलशयात्रा का पुष्प वर्षा कर पग पग किया स्वागत

बलदेव सकस्बा बलदेव पुराना बस स्टैंड स्थित अग्रवाल सेवा सदन में शुक्रवार को श्री मद भागवत कथा से पूर्व कलश यात्रा धूमधाम से निकली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ आयोजक सुनील उपाध्याय, राजीव उपाध्याय द्वारा विधिवत रूप से कलश की पूजा अर्चना कर किया। कलश यात्रा पुराना बस स्टैंड से शुरुवात होती हुई खादी भंडार, पश्चिमी स्कूल शिवरतन बाजार,

मा`ती बाजार, स्टेट बैंक, पुराना डाक खाना आदि मुख्य मार्गो से होती हुई भागवत स्थल पर जाकर समापन हुई । कलश यात्रा में 101 कलश महिलाए अपने सिर पर कलश लेकर दाऊजी महाराज व रेवती मैया भागवत भगवान की जयघोष देती हुई चल रही थी। कलश यात्रा का नगरवासियों द्वारा पग पग पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। व्यासपीठ का पूजन परीक्षित ने किया। व्यासपीठ से प्रथम दिन प्रवचन कर रहे आचार्य यतेंद्र बल्लभ ने कहा श्रीमद्भागवत कथा परमात्मा का अक्षर स्वरूप है। यह परमहंसों की संहिता है, भागवत कथा हृदय को जागृत कर मुक्ति का मार्ग दिखाता है। भागवत कथा भगवान के प्रति अनुराग उत्पन्न करती है। यह ग्रंथ वेद, उपनिषद का सार रूपी फल है। यह कथा रूपी अमृत देवताओं को भी दुर्लभ है। कलश यात्रा में नगर पंचायत अध्यक्ष डा मुरारीलाल अग्रवाल, भाकियू चढूनी नगर अध्यक्ष नरेंद्र उपाध्याय, श्रीकांत उपमन्यु, डा. जगदीश पाठक, अजय अग्रवाल, कृपा शंकर द्विवेदी, सतीश बंसल, अनुज उपमन्यु, सुरेंद्र चौधरी, आचार्य कन्हैया लाल शर्मा, मुनेश शर्मा, बद्री नारायण अग्रवाल, दुर्गेश अग्रवाल, अमित भारद्वाज आदि लोग मौजूद रहे।

इस बार कोल्ड स्टोर में पहुंचते ही 20 रूपये महंगा हो जाएगा आलू

मथुरा। इस बार कोल्ड स्टोर में पहुंचते ही आलू 20 रूपये क्विंटल महंगा हो जाएगा। कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन ने आलू के भाडे में प्रति क्विंटल 20 रूपये की बढोतरी की है। भारतीय किसान यूनियन सुनील के पदाधिकारीयों ने कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन द्वारा आलू भाड़े में की गई वृद्धि के विरोध में जिला उद्यान कार्यालय पहुंचकर जिला उद्यान अधिकारी मनोज चतुर्वेदी से मुलाकात कर आलू भाडे मे की गई 20 कुंतल की वृद्धि को वापस लेने की मांग के लिए ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण भास्कर एड. ने संयुक्त रूप से कहाकि उत्तर प्रदेश कोल्ड स्टोरेज एसोसियेशन द्वारा जिस तरीके से आलू भाड़ा बढ़ाया गया है। उससे आलू किसानों के साथ आम जनता पर भी असर पड़ेगा। आलू किसानों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। इसको लेकर किसानों में आक्रोश है। किसान पहले से ही आर्थिक रूप से तंग है। कर्ज में डूबा है। आलू किसानों को यदि एक साल अच्छे भाव मिल जाते हैं तो दो तीन साल तक वही किसान लाभकारी मूल्य के लिए तरस जाता है। 20 रूपये कुंटल किराया बढ़ने से किसानों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। राज्य सरकार को तत्काल कोल्ड स्टोरेज एसोसियेशन के इस मनमाने फैसला पर हस्तक्षेप कर रोक लगानी चाहिए।

महादेव प्रसाद महाविद्यालय के हीरक जयन्ती पर 'युगपुरुष चौधरी महादेव प्रसाद' नाटक का भव्य मंचन

प्रयागराज। महादेव प्रसाद महाविद्यालय की हीरक जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में 'युगपुरुष चौधरी महादेव प्रसाद' नाटक का भव्य मंचन किया गया। यह नाटक महाविद्यालय के संस्थापक चौधरी महादेव प्रसाद के जीवन और समाज सुधार में उनके योगदान को दर्शाने वाला था। कार्यक्रम में कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार सिन्हा एक चौध ारी जीतेंद्र नाथ सिंह तथा कायस्थ पाठशाला न्यास के अधि ाकारी व कर्मचारी गण महाविद्यालय के शिक्षक और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर उन्होंने चौधरी महादेव प्रसाद के शिक्षा और सामाजिक उत्थान में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला।

नाटक में चौधरी महादेव प्रसाद की संघर्षशील यात्रा,

गरीबों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने जीवंत अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध ा कर दिया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की। अंत में महाविद्यालय प्रशासन ने नाटक के निर्देशक एवं कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर अर्चना खरे निर्देश ज्ञान चन्द्रवंशीतथा संचालन अनुश्री धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर सरोज सिंह ने दिया इस नाटक का निर्देशन प्रसिद्ध रंगकर्मी ज्ञानचंद्रवंशी ने किया जिनका सहयोग श्री के के श्रीवास्तव मनीष कपूर और महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने अत्यंत कुशलतापूर्वक किया श्री ज्ञान चंद्रवंशी सॉफ्ट पावर आर्ट एंड कल्चर संस्था से संबंधित है महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति और उसके सदस्यों ने भी इस नाटक के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

इस मंचन ने दर्शकों को प्रेरित किया और चौधरी महादेव प्रसाद के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

सन्त सिरोमणि रविदास जयंती का भव्य समारोह

कानपुर। संत कुलभूषण कवि संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी की 648 वीं जयंती का ष्सन्त रविदास सेवा समिति (पंजी.)अर्मापुर, इस्टेट ने दिनांक 12 फरवरी 2025 को 74वां भव्य समारोह रविदास मंदिर प्रांगण में आयोजित किया।

समारोह की अध्यक्षता श्री संदीप कन्हाई महाप्रबंधक आयुध ा निर्माणी ने तथासंचालन प्रो. (डॉ.) धीरेंद्र कुमार दोहरे ने किया। सर्व प्रथम मंचस्थ अतिथियों द्वारा संत शिरोमणि संत रविदास की मूर्ति का माल्यार्पण किया गया।समारोह का प्रारंभ आंचलिक भाषा के सुमधुर गीतकार दिनेश नीरज की संत रविदास वंदना हुआ।मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र त्रिवेदी जी एम एफ जी ने संत रैदास जी पर सोध ा पूर्ण वक्तव्य में कहा संत रैदास जी सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं।

मुख्य अतिथि श्री आलोक कुमार कार्यकारी निदेशक आयुध ा निर्माणी,आर. के. तिवारी कार्यकारी निदेशक फील्ड गन फैक्ट्री,आर के सिंह जी एम आयुध निर्माणी,नीतू सिंह सचिव यति संकल्प संस्थान ,डॉ सुमन

प्राचार्य एस.एन.सेन महिला महाविद्यालय,अनुभव चक प्रो. नीरज कुमार सिंह, पूर्व विधायक अजय कपूर व कवि डॉ मान सिंह ने भी संत रविदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार व्यक्त किये।

डॉ अरुण कुमार यादव डॉ प्रदीप कुमार यादव के संचालन में द्वितीय सत्र में सामान्य ज्ञान, निबंध लेखन व चित्रकला की प्रतियोगिताओं में सफल प्रथम द्वितीय व तृतीय रहे ४७ छात्रों को अतिथियों से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करवाया।इस अवसर पर समाज,शिक्षा, चिकित्सका व साहित्य के विशिष्ट योगदान के लिए सर्व श्री अजय कपूर पूर्व विधायक,प्रो नीरज कुमार सिंह,डॉ. अवधेश कुमार, सूर्यभान, विश्वनाथ, डॉ. कमलेश कुमार,श्रीमति रेनू धीमान,संजय तिवारी,आदि लोगों के साथ साहित्य नगरी उन्नाव के चर्चित कवि संपादक एवं चिकित्सक कवि डॉ.मान सिंह को भी उनकी वैचारिक साहित्य सेवा व समाजिक कार्यों को देखते हुए संत रविदास रत्न–2025 से सम्मानित किया गया । समारोह में प्रतिष्ठित नवगीतकार जयराम जय को उनकी साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेवाओ के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।भारत की कला संस्कृति को अक्षुण्ण रखने के लिए समारोह के तृतीय सत्र में सांस्कृतिक आयोजन के अंतर्गत बिरहा गायकों के गायन से अर्मापुर इस्टेट ने देर रात भर गूंजता रहा। इस भव्य समारोह में समिति के अध्यक्ष प्रवेश कुमार,महामंत्री पारस नाथ,कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार नीरज ,संजय कुमार,राम जियावन, हेमराज आदि पदाधिकारियों के साथ श्रोताओं की शानदार उपस्थिति अंत तक बनी रही। कार्यक्रम के संयोजक श्री शिव नारायण शनिद्धश ने रात्रि भोज के आमंत्रण के साथ आगतों का आभार व्यक्त किया।

जन–भागीदारी से होगा सच, विकसित भारत का स्वप्न

महाकुंभ नगर में लगी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी को सराह रहे श्रद्धालु

महाकुंभ नगर 14 फरवरी। बड़ी संख्या में युवा श्रद्धालुओं ने आज सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की डिजिटल प्रदर्शनी 'जन भागीदारी से जन कल्याण' का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में उत्साहित युवाओं ने विकसित भारत की ओर मजबूत कदम उठा रही सरकार की अनेक योजनाओं के बारे में डिजिटल मल्टी मीडिया के माध्यम से जाना। जालौन से महाकुंभ स्नान करने आए कर्ण ने प्रदर्शनी देख कहा कि मुझे यहीं पर आज पता चला कि अपने देश में ही अब ऐपल फोन के प्रो मॉडल का निर्माण हो रहा है। निसंदेह यह हर देशवासी के लिए गर्व की बात है। दिल्ली से आईं श्रद्धालु संचिता बड़े गौर से प्रध ाानमंत्री जी के कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा को डिजिटल चित्र प्रदर्शनी में देख कर बोलीं, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यह वक्त परीक्षाओं का और उससे जुड़ी हुई मुश्किलों का है। मैं आभारी हूं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की जिन्होंने इस कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों को तनाव कम करने के तरीके बताए। इस बार इस कार्यक्रम में बड़ी–बड़ी अन्य हस्तियों द्वारा भी बच्चों को टिप्स दिया जाना है। यह सच में बच्चों को मानसिक तनाव कम कर कुशल पाठ्यक्रम प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ने में सहयोग करेगा। उन्होंने आगे कहा कि देश विकसित इन्हीं छोटी छोटी पहलों से होगा। यही बच्चे कल के विकसित भारत के युवा होंगे और इन्हीं के पुरुषार्थ से देश नए शिखर पर होगा।

गौरतलब है कि महाकुंभ नगर में मंत्रालय की चित्र प्रदर्शनी 26 फरवरी तक आमजन के लिए निशुल्क खुली रहेगी। इस चित्र प्रदर्शनी में सरकार की तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी श्रद्धालुओं को दी जा रही है। बिहार से महाकुंभ स्नान को प्रयागराज आए वैभव ने बताया कि सबको यह चित्र प्रदर्शनी अवश्य देखनी चाहिए। अगर वे महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने आए हैं। जैसे मैंने यहीं एक वीडियो एड देख जाना कि देश में अकेले टेक्सटाइल उद्योग ने 14.5 करोड़ रोजगार सृजित किए। ठीक वैसे ही मैंने इस प्रदर्शनी में चल रहे एक वीडियो से जाना कि विगत वर्ष अपने देश में कुल 33 करोड़ मोबाइल फोन यूनिट का निर्माण हुआ। साथ ही पिछले 10 वर्षों में देश में कृ षि लोन की राशि 3.5 गुना हो गई है। उन्होंने कहा कि इतना सब जानने के बाद स्वयं महसूस होता है कि मैं भी अपना शत प्रतिशत योगदान दूं। जिससे देश को एक विकसित राष्ट्र के रूप में जल्द देख सकूं। विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश को विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता। ऐसा संभव जल्द तब होगा जब हर व्यक्ति की सोच होगी कि जन भागीदारी से ही जन कल्याण और विकास संभव होता है। महाकुंभ नगर के त्रिवेणी रोड, परेड ग्राउण्ड स्थित प्रदर्शनी परिसर में ऐसी ही कई अन्य विषय प्रधान प्रदर्शनियों को देखने श्रद्धालु रोज बड़ी संख्या में आ रहे हैं।

गाड़ी–ओवरटेक को लेकर विवाद फायरिंग, स्कूल संचालक का बेटा गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में गाड़ी–ओवरटेक करने के लेकर स्कूटी सवार स्कूल संचालक के बेटे ने कार चालक पर फायरिंग कर दी। यही नहीं भीड़ के एकत्र होने पर पिस्टल तान दी। फायरिंग की आवाज सुनकर पास ही तैनात पुलिस कर्मी जब तक मौके पर पहुंचे आरोपी युवक भाग निकले। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बालागंज कैम्पवेल रोड निवासी सलमान शुक्रवार तड़के दोस्त के साथ कार से कब्रिस्तान से घर लौट रहे थे। सराय माली खाँ चौराहे के पास तीन बाइक और स्कूटी सवार युवक साइड नहीं दे रहे थे। ओवर टेक कर विरोध करने पर स्कूटी सवार युवक ने गाड़ी को रोक लिया।

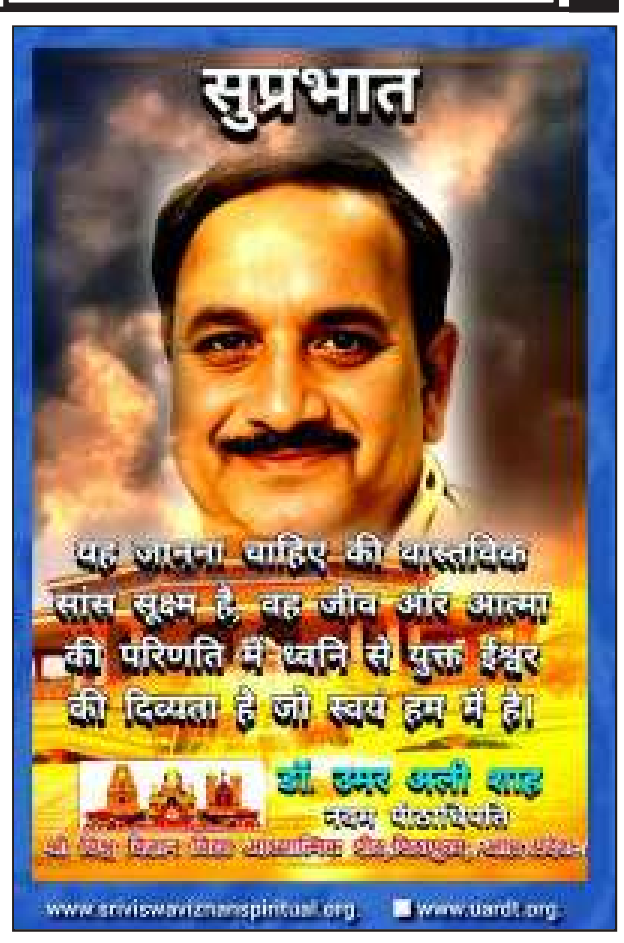

गाएँ गंगा गाथ

(कुण्डलिया)

मेला है यह धर्म का,भौतिकता के साथ।
वाणी सन्तों की सुनें,गाएँ गंगा गाथ।
गाएँ गंगा गाथ,माह फागुन का आया।
फूलों की मुस्कान, बिखेरे अनुपम माया।
सुन लो कहें प्रदीप, समागम का है खेला।
दुनिया में अनमोल, धर्म का पावन मेला।।

आए हैं सब दूर से,करने गंग–नहान।
मौसम भी उनका सदा, रखे हमेशा ध्यान।
रखे हमेशा ध्यान, ज्ञान की बातें करके।
पल–पल दें सौगात, दिलों में खुशियाँ भरके।
सुन लो कहें प्रदीप,कहो मत उन्हें पराए।
गंग–नहाने आज,यहाँ पैदल ही आए।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

हर तहसील में 25 बडी आरसी की एसडीएम करेंगे कराएंगे वसूली

मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कर करेत्तर एवं राजस्व प्रशासन कार्य, वादों, आईजीआरएस संदर्भ की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक के दौरान कहा कि मुख्य देय वसूली में एसडीएम व तहसीलदार रुचि लें। उन्होंने कहा कि तहसील की बड़ी 25 आरसी का मिलान ज्वाइंट रूप से किया जाए। जिलाधिकारी ने कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा

के दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में विभिन्न विभागों को शासन द्वारा प्रदत्त वसूली लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति में तेजी लाएं। वित्तीय वर्ष समाप्ति को लगभग एक माह से कुछ अधिक का समय शेष है। सभी विभाग प्लानिंग करते हुए प्रवर्तन कार्यों में तेजी लाएं ताकि वार्षिक वसूली लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण किया जा सके। आरसी से संबंधित विभागों के अधि ाकारियों को निर्देशित किया गया कि आरसी जारी करते समय पोर्टल पर सही से मिलान कर लिया जाए। ऑनलाइन आरसी जारी करने के बाद समय से आरसी की कॉपी उपलब्ध करा दें, जिससे आरसी की वसूली समय से सुनिश्चित कराई जा सके। प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों में और प्रगति लाए जाने के निर्देश दिए। आबकारी अधि ाकारी को निर्देश दिए कि अन्य प्रदेशों से प्राप्त आरसी का समय से निस्तारण कराया जाए। बैठक में विभिन्न राजस्व धाराओं में दायर वादों के समय से निस्तारण किए जाने की भी समीक्षा की गई। समीक्षा में निर्देशित किया गया कि पुराने वादों को मेरिट के आधार पर समय से निस्तारित करें। सभी उप जिलाधिकारी अपने अपने नगर पंचायतों में निरीक्षण के लिए निकलें और ईओ से समन्वय स्थापित करते हुए साफ सफाई कराना सुनिश्चित करवाएं। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार, अपर जिलाधि ाकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार सहित सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार आदि मौजूद रहे।

खाली कराई जाएंगे चारागाह की जमीन

चारागाह की जमीनों को खाली कराएं। निराश्रित गौवंशों को पकड़ कर गौशाला में पहुंचाएं और हर गांव में साफ सफाई होनी चाहिए। फॉर्मर रजिस्ट्री में प्रगति लाएं। होली की व्यवस्था को लेकर अपने अपने सीओ के साथ निरीक्षण कर लें।

किसान पदयात्रा सरोजनी नगर से हरौनी के लिए रवाना

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन (भानू) की 10 दिवसीय गरीब किसान न्याय पदयात्रा शुक्रवार को सरोजनी नगर से रवाना हुई। सभी किसान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बीती रात तहसील कार्यालय में विश्राम किया था। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा के नेतृत्व में यह पदयात्रा सरोजनी नगर तहसील से शुरू हुई।

सम्पादकीय.....

एआई पर सावधानी

पेरिस में संपन्न एआई एक्शन समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को स्वीकारते हुए सुरक्षा उपायों पर बल दिया गया। फ्रांस के तत्वावधान में आयोजित समिट राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सह–अध्यक्षता में संपन्न हुई। जो भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक साख को भी दर्शाता है। निश्चित रूप से यह समय एआई के क्षेत्र में भारत को अपनी प्राथमिकता तय करने का है। हालांकि, समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवर्द्धन के रोडमैप पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद भी उजागर हुए। मेजबान फ्रांस,भारत व प्रमुख हितधारक चीन समेत दुनिया के साठ देशों ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिये एआई पहुंच को बढ़ावा देने, इसे खुला,समावेशी, पारदर्शी, नैतिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। वहीं अमेरिका और ब्रिटेन ने इस पर असहमति जतायी और हस्ताक्षर नहीं किए। ट्रंप जैसे तेवर अपनाते हए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने वैश्विक नेताओं व तकनीक उद्योग के अधिकारियों को चेताया कि अत्यधिक विनियमन से तेजी से बढ़ते एआई उद्योग की गति थम सकती है। जो बताता है कि अमेरिका एआई जोखिमों को कम करने के यूरोप के प्रयासों से खुश नहीं है। दरअसल, एक अधीर राष्ट्रपति के नेतृत्व में अमेरिका एआई की अपार संभावनाओं पर वर्चस्व चाहता है। उसे चीन की चुनौती भी स्वीकार नहीं है। हालांकि, इसी तर्ज पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इस सदी में मानवता के लिये नया कोड लिख रही है। लेकिन साथ ही एआई को वैश्विक भलाई के लिये विकसित करने पर भी बल दिया। जिसका संदेश यह भी है कि इसका उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है। दरअसल, यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुख अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफेक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके। फलतरू भविष्य में नियामक मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति बनानी जरूरी है। इसके लिये पूरी तरह से दरवाजे खोलना किसी आपदा को आमंत्रण जैसा भी हो सकता है। पेरिस में एक्शन समिट ऐसे वक्त में हुई है जब एआई में अमेरिकी वर्चस्व को चीनी कंपनी डीपसीक जबर्दस्त चुनौती दे चुकी है। उसने कम लागत में बेहतर एआई टूल पेश करके बताया है कि इस दौड़ में चीन कहीं आगे निकल चुका है। निस्संदेह, इस क्षेत्र में तमाम नई खोजों की संभावनाएं बरकरार हैं। लेकिन सुरक्षा मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, लेकिन इसका अनियंत्रित विकास मानवता के लिए घातक भी साबित हो सकता है। ऐसे में एआई विकास में पारदर्शिता व नियमन के अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने भी जरूरी हैं। जरूरी है कि हम एआई की वैश्विक चुनौती के बीच अपने इंजीनियरों व वैज्ञानिकों की मेधा का बेहतर उपयोग करके नयी खोजों का मार्ग प्रशस्त करें। अन्यथा भारत एआई की नई खोजों की दौड़ में पिछड़ सकता है। फिक्र है कि भारत जैसे बड़ी बेरोजगारी वाले देश में कहीं एआई रोजगार संकट का वाहक न बने। कम जनसंख्या वाले विकसित देशों के लिये जहां यह तकनीक उपयोगी साबित होगी, वहीं श्रम प्रधान संस्कृति वाले भारत में यह विसंगति भी पैदा कर सकती है। निश्चित रूप से एआई के इस्तेमाल से बेहतर कार्य संस्कृति पैदा होगी, लेकिन यह प्रयास रोजगार के अवसर कम न करे। कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के साथ हम रोजगार के अवसर भी बढ़ाएं। भारत में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है। नीति आयोग ने भी इसे प्रोत्साहन देने के लिये राष्ट्रीय नीति तैयार की है। आने वाले वर्षों में एआई की देश की सुरक्षा, आर्थिकी, चिकित्सा, कृषि तथा शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। लेकिन जरूरी है कि युवाओं के लिये पर्याप्त रोजगार के अवसर भी सृजित हों। भारतीय युवा भी खुद को इस नई चुनौती के अनुरूप तैयार करें।

आजाद का बयान नये समीकरणों का संकेत

डॉ. दीपक पाचपोर

इंडिया के शेष जितने भी घटक दल हैं उनकी मौजूदगी एक–एक राज्य में ही है, आप को छोड़कर जिसने अभी दिल्ली खोई है पर पंजाब में उसकी सरकार है। आजाद का यह कहना कि कांग्रेस अपने सहयोगियों का नुकसान करेगी, तर्कसंगत नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया पर जो हमले किये हैं उससे नये सियासी समीकरणों के संकेत मिलते हैं। यह अलग बात है कि उनके इन बयानों में विरोधाभास भी हैं। तो भी जो तल्खी टीएमसी सांसद ने दिखाई है, वह बतलाती है कि इंडिया से कुछ दल अलग हो सकते हैं और यह भी सम्भव है कि विपक्षी दल नये समीकरण रच सकते हैं। कीर्ति आजाद के बयानों का कांग्रेस क्या प्रतिसाद या उत्तर देती है, यह देखने वाली बात है तभी भावी घटनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार का ठीकरा एक तरह से कांग्रेस पर फोड़ते हुए पूर्व क्रिकेटर तथा बर्धमान–दुर्गापुर के सांसद कीर्ति आजाद ने यह भी साफ किया कि– '2026 में होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में टीएमसी अकेली उतरेगी। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है इसलिये अपने हितों की अनदेखी कर टीएमसी गठबन्धन को मजबूत करने के फेर में नहीं पड़ेगी।' वैसे भी टीएमसी अध्यक्ष तथा प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस आशय का ऐलान सोमवार की पार्टी बैठक में कर ही दिया है। आजाद ने यहां तक कहा कि –'कांग्रेस ने सहयोगी दल आप की पीठ में छुरा घोंपा है। उसे इंडिया में बने रहने का अधिकार नहीं है।' वे पहले ही बोल चुके चुके हैं कि गठबन्धन का नेतृत्व करने के लिये ममता बनर्जी से बेहतर कोई भी नहीं है जिन्होंने अपने राज्य में भारतीय जनता पार्टी को बुरी तरह से हराया है। उनका यह बयान लगभग उसी लाइन पर है जिस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम व शिवसेना (यूबीटी गुट) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे दे चुके हैं। एक तरह से महाराष्ट्र, हरियाणा और उसके बाद दिल्ली हारने के बाद कांग्रेस पर हमले तेज हो गये हैं जो बतलाते हैं कि कुछ दल कांग्रेस को लेकर बेचैन हैं। हालांकि कांग्रेस पर होने वाले इन आक्रमणों में इस बात के अलावा कोई भी शिकायत वाजिब नहीं है कि उसके द्वारा इंडिया गठबन्धन की बैठक नहीं बुलाई जाती या फिर, अब तक कोई संयोजक नहीं बनाया गया है। इन बातों में दम तो हैं लेकिन गठबन्धन यह भूल जाता है कि कांग्रेस केवल नेतृत्व नहीं कर रही है बल्कि उसके पास अपनी दलीय जरूरतें भी हैं जिनमें से एक है खुद को मजबूत बनाना तथा चुनाव लड़ना। इंडिया के शेष जितने भी घटक दल हैं उनकी मौजूदगी एक–एक राज्य में ही है, आप को छोड़कर जिसने अभी दिल्ली खोई है पर पंजाब में उसकी सरकार है। आजाद का यह कहना कि कांग्रेस अपने सहयोगियों का नुकसान करेगी, तर्कसंगत नहीं है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया को भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के बरक्स देखें तो उसके साथ गये सहयोगी दलों को ज्यादा नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तो भाजपा ने ही तोड़ा। अकाली दल की भी दुर्गति हुई। फिर, जिस दिल्ली के नतीजों की आड़ में कांग्रेस की आलोचना की जा रही है, उस सन्दर्भ में यह स्मरण दिलाया जाना लाजिमी है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही आप ने ताबड़तोड़ अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये थे जबकि कांग्रेस वहां तालमेल की इच्छुक थी। वह चाहती थी कि उसे करीब 15 सीटें दी जायें जो कि वाजिब मांग थी। जिस प्रकार से आजाद कहते हैं कि उनके राज्य में अकेली ममता या टीएमसी भाजपा से निपटने के लिये काफी है, कुछ वैसा ही गुमान आप को भी था। यह तो सही है कि पिछली दो बार की तरह इस बार भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली लेकिन आप ने कांग्रेस को साथ न लेकर सरकार गंवाई है– यह अब साफ हो गया है। कम से 15 सीटें ऐसी थीं जिन पर यदि दोनों मिलकर लड़ते तो वे सीटें गठबन्धन के खाते में आतीं। जहां तक महाराष्ट्र व हरियाणा का मसला है, यह नहीं भूलना चाहिये कि इन राज्यों में चुनाव सम्बन्धी बड़ी गड़बड़ियों का संदेह है। महाराष्ट्र में लोकसभा से विधानसभा चुनावों के बीच जिस प्रकार से 72 लाख मतदाता बढ़ गये, वह सबके ध्यान में है। हरियाणा में प्रारम्भ से आगे चल रही कांग्रेस को जिस तरह से कुछ मिनटों के भीतर मतगणना धीमी कर निपटाया गया, उसे भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। गड़बड़ तो दिल्ली में भी हुई है लेकिन बहस ऐसी दिशा में मोड़ दी गयी है– स्वयं इंडिया के घटक दलों के द्वारा कांग्रेस पर हमला करके, कि यहां चुनावी धांधली पर न किसी का ध्यान जा रहा है और न ही उसे कोई चर्चा में ला रहा है। स्वाभाविकतरू यह स्थिति भाजपा, सरकार और चुनाव आयोग के पक्ष में बनती है कि उस पर आरोप लगाने का किसी के पास अवकाश ही नहीं है। कीर्ति आजाद भूल जाते हैं कि भाजपा के इशारे पर ऐसी धांधलियां हर उस राज्य में होगी, जहां चुनाव होंगेय बेशक, पश्चिम बंगाल भी उसमें होगा।

ध्यान रहे कि आरोप लगाने वाले ज्यादातर सहयोगी दल गठबन्धन की सामूहिक आवाज बनकर कांग्रेस का साथ देते नजर नहीं आते, एकाध को छोड़कर। अनेक मुद्दों पर अकेले कांग्रेस ने आवाज उठाई लेकिन उससे पूरा इंडिया लाभान्वित हुआ है। फिर वह चाहे अंबानी–अदानी का मुद्दा हो या जातिगत जनगणना का। संविधान एवं आरक्षण पर भी कांग्रेस लगभग अकेली आवाज उठाती रही। गठबन्धन केवल चुनाव को लेकर नहीं हो सकता– विमर्श के स्तर पर भी एका नजर आनी चाहिये।

मोदी के कंधों पर देश की साख

सर्वमित्रा सुरजन

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में छवियों का बड़ा महत्व होता है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच क्या बात हुई, किस वातावरण में हुई, चर्चा में कौन, किस पर हावी रहा, इन बातों का पूरा खुलासा तो आम जनता के बीच कभी नहीं हो सकता है, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तकाजे इसकी अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन दो देशों के मुखिया किस तरह आपस में मिले और एक–दूसरे का अभिवादन किया, इसके मायने भी महत्वपूर्ण होते हैं। कैमरे के सामने दो राष्ट्रप्रमुखों का एक–दूसरे से हाथ मिलाना, मुस्कुराते हुए फोटो खिंचाना, द्विपक्षीय चर्चा के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करना, या किसी अंतरराष्ट्रीय बैठक में तमाम राष्ट्राध्यक्षों की सामूहिक तस्वीर और एक–दूसरे का हाथ पकड़ कर फोटो खिंचाना यह सब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में काफी सामान्य बातें हैं। भारत में 10–11 साल पहले तक इस पर शायद ही कोई चर्चा होती थी कि देश के प्रधानमंत्री ने किस राष्ट्राध्यक्ष के साथ, किस तरह से हाथ मिलाया, किस अंदाज में बातें की या उनके साथ घूमे–फिरे। लेकिन जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उनकी विदेश यात्राएं शुरु हुईं, तब से भारत के दूसरे देशों के साथ संबंधों के साथ–साथ इस बात पर भी खासी चर्चा होने लगी कि कौन सा राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री मोदीजी का करीबी मित्र बन गया है, किसके साथ उनके पारिवारिक संबंध बन गए हैं। ऐसा नहीं है कि भारत के नेताओं के दूसरे देशों के नेताओं के साथ गाढ़े संबंध नहीं रहे। देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू के नाम की धाक तो पूरी दुनिया में थी और तीसरी दुनिया के देश अपनी ताकत जुटाने के लिए नेहरूजी का अनुसरण करते थे। जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के बीच गहरी दोस्ती थी। दोनों ने मिलकर एशिया और अफ्रीका के नेताओं को एकजुट करने का काम किया था। सोवियत संघ में नेहरूजी का नाम काफी आदर और सम्मान से लिया जाता था। जब 1955 में सोवियत संघ से सर्वोच्च नेता निकिता ख्रुश्चेव और निकोलाई बुल्गानिन भारत आए तो पंडित नेहरू ने उन्हें खुली गाड़ी में सैर कराई थी। 1949 में हैरी एस ट्रूमैन और 1961 में जॉन एफ कैनेडी नेहरूजी के अमेरिका दौरे पर उनका स्वागत करने एयरपोर्ट आए थे। फिलीस्तीन मुक्ति संगठन के प्रमुख यासिर अराफात इंदिरा गांधी को बहन की तरह मानते थे। लेकिन इन सबमें कहीं भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानकों से परे न कोई व्यवहार हुआ, न नेहरूजी ने कभी अपने निजी संबंधों को देशहित पर हावी होने दिया। छवियों की बात चली है तो यह भी याद कर सकते हैं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन छतरी पकड़ कर कार तक आए थे। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि राजीव गांधी के लिए रोनाल्ड रीगन पक्के दोस्त हो गए थे। दरअसल अंतरराष्ट्रीय संबंध और छवियों की बात इसलिए करनी पड़ रही है क्योंकि इस समय देश और दुनिया में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं और उधर अमेरिका में चार साल बाद डोनाल्ड ट्रंप की वापसी हुई है। ट्रंप का सत्ता में लौटना अमेरिका समेत पूरी दुनिया में कई तरह के बदलावों का कारण बन रहा है, क्योंकि इस वक्त बिल्कुल निरंकुश अंदाज में ट्रंप शासन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके शुरुआती कुछ फैसले ही काफी विवादों में आए हैं, लेकिन ट्रंप किसी तरह से बदलते या अपना रुख नर्म करते नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के खास मायने हो जाते हैं कि इस बार किस अंदाज में राष्ट्रपति ट्रंप से उनकी मुलाकात और चर्चा होती है। याद रहे कि 2020 में नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार ट्रंप सरकार कहकर कूटनीतिक शिष्टाचार की सीमाएं तोड़ी थीं। इस बार ट्रंप जीते लेकिन उन्होंने अपने शपथ ग्रहण में नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित नहीं किया। श्री मोदी ने ट्रंप को फिर भी बधाई दी, और एक्स पर दिए अपने बधाई संदेश में माय फ्रेंड यानी मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप का संबोधन देते हुए चार ऐसी तस्वीरें चस्पां की, जिनसे लोगों के बीच मोदी–ट्रंप दोस्ती की छवि गाढ़ी हो जाए। हालांकि निजी स्तर के इस बधाई संदेश के बावजूद ट्रंप ने हथकड़ियों और जंजीरों के साथ अमेरिकी सैन्य विमान में भारतीयों को भेजकर यह जतला दिया कि वे ऐसी मित्रता और शिष्टाचार की रत्ती भर परवाह भी नहीं करते हैं। अमेरिका से भारत की लंबी दूरी में अमानवीय तरीके से लाए गए भारतीयों की छवि केवल देश के लोगों ने नहीं दुनिया ने देखी है और इसके बाद आस्ट्रेलिया के एक स्टेडियम में भारतीय दर्शकों से उनके वीजा के बारे में पूछकर उन्हें चिढ़ाने की घटना हुई, जिससे जाहिर होता है कि इस छवि का नुकसान विश्वव्यापी स्तर पर भारत को हुआ।वैसे भी भारत के लोगों को विदेशों में अनेक तरह के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। कई संपन्न और विकसित देश पढ़ने या काम करने गए आम भारतीयों को हेय दृष्टि से देखते हैं, अब ऐसी घटनाओं के और बढ़ने की आशंका है। अगर मोदी सरकार तुरंत ही इस पर आपत्ति जताती तो शायद कड़ा संदेश जाता। प्रसंगवश बता दें कि कोलंबिया के राष्ट्रपति ने अपने नागरिकों के लिए विमान भेजा और जब वे वापस लौटे तो खुद विमान के भीतर जाकर उन्हें आश्वस्त किया। इसी तरह वेनेजुएला ने अपने नागरिकों को अमेरिका से वापस बुलाया और जब वे विमानतल पर उतरे तो उनके स्वागत के लिए राष्ट्रपति खुद मौजूद थे। भारत में अमेरिका से हथकड़ियों में लाए गए नागरिकों को कैदियों वाली गाड़ी में उनके घरों तक भेजा गया। अपने नागरिकों को सम्मान देने और उनका सम्मान बचाने में सरकार तब चूक गई और अब देखना होगा कि नरेन्द्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात में इस बारे में कुछ कहते हैं या नहीं। हालांकि ट्रंप से मुलाकात से पहले पेरिस में श्री मोदी की मुलाकात अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हुई। उनकी पत्नी उषा वेंस और बच्चों से भी श्री मोदी मिले और वेंस दंपती के बेटे विवेक को जन्मदिन पर बधाई दी, उपहार दिया। इस बात की जानकारी श्री मोदी ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी, लेकिन यह जिक्र नहीं हुआ कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति से भारतीयों के अपमान की बात की या नहीं की। संभवतरू नहीं की, अन्यथा वे इसका ब्यौरा जरूर देते। अमेरिका से पहले श्री मोदी फ्रांस के दौरे पर थे, जहां से राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो से हाथ मिलाते, गले मिलते, साथ बातें करते तस्वीरें भी आई हैं। लेकिन इसी अवसर की एक और तस्वीर आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस आयोजन में दुनिया भर के तमाम नेता, प्रतिनिधि मौजूद थे और राष्ट्रपति मैक्रो एक–एक करके सबके पास आकर हाथ मिला रहे थे और इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के सामने से उन्हें लगभग अनदेखा करते हुए वे निकल गए। श्री मोदी ने स्वाभाविक तौर पर अपना हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन मैक्रो ने उनसे हाथ न मिलाते हुए अगले प्रतिनिधि की तरफ रुख किया। कुछ सेंकड की यह वीडियो क्लिप अब सोशल मीडिया पर वायरल है और इसकी चाहे जितनी सफाई देने की कोशिश की जाए, भारत के लिए यह अच्छी छवि नहीं है। क्योंकि इसमें सीधे तौर पर भारत के प्रधानमंत्री का अपमान फ्रांस के राष्ट्रपति ने किया है। अगर यह अनजाने में हुआ है तो इस पर खेद प्रकट हो जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, न ही भारत सरकार के विदेश विभाग ने इस पर कोई आपत्ति उठाई है, तो फिर सवाल उठता है कि क्या मोदी सरकार में अब विदेश नीति के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तकाजों को भी परे कर दिया गया है। आप किस राष्ट्रपति को दोस्त कहते हैं, किसकी पीठ पर हाथ रखते हैं, किसे पहले नाम से पुकारते हैं, किसके साथ झूला झूलते हैं, किसके साथ नौका विहार करते हैं या किसके साथ जाम टकराते हैं, ये सारी बातें निजी रिश्तों की प्रगाढ़ता को भले दिखाती हैं, लेकिन यह सब किसी व्यक्ति के नाम नहीं बल्कि उसके पद के कारण संभव हुआ। नरेन्द्र मोदी के नाम के साथ भारत के प्रधानमंत्री का पद जुड़ा हुआ है, यह बात याद रहनी चाहिए और फिर उस पद की गरिमा को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए ही अपने विदेशी समकक्षों से व्यवहार होना चाहिए। श्री मोदी कम से कम सत्ता के तीसरे कार्यकाल में तो इस बात को समझें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की साख बनाने की सबसे अधिक जिम्मेदारी उन्हीं पर है।

टैरिफ में बढ़ोतरी के ट्रंप के फैसले से भारत को घबराने की कोई जरूरत नहीं

सुब्रत मजूमदार

वर्तमान में भारत की निर्यात आर्थिक वृद्धि के लिए अमेरिका प्रमुख उत्प्रेरक है। यह भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। निर्यात वृद्धि का प्रक्षेपक्रगत वर्षों में यदा–कदा नहीं रहा है। अमेरिका एक दशक से अधिक समय से लगातार भारतीय माल का सबसे बड़ा आयातक रहा है। यहां तक कि डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017–2020) के दौरान भी, निर्यात में समग्र वृद्धि बरकरार रही, हालांकि ट्रंप का संरक्षणवाद था। अमेरिका को निर्यात ने भारत की बाहरी अर्थव्यवस्था के लिए साल–दर–साल प्रगतिशील विकास के बीज बोये, जिससे भारत के बड़े आयातों में काफी हद तक संतुलन बना रहा। भारत के निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 2013–14 में 12.4 प्रतिशत से बढ़कर 2023–24 में 17.7 प्रतिशत हो गयी। इस संबंध में, ट्रम्प के भयंकर टैरिफ युद्ध और आव्रजन विरोधी नीति के साथ भारत की अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता चिंताजनक संकेत देती है। फिर भी, स्थिति उतनी गंभीर नहीं है, जितनी बताई जा रही है। लचीलेपन के लिए जिम्मेदार कारक निर्यात बास्केट और उचित लागत पर अपरिहार्य गुणवत्तापूर्ण भारतीय आईटी सेवाएं हैं। निर्यात में आश्चर्यजनक वृद्धि, ट्रम्प के अहंकार को रोकती है, तथा निर्यात बास्केट में उत्पाद विशेषताओं को जिम्मेदार ठहराती है। वे हीरे, रेडीमेड वस्त्र, वस्त्र, दवाएं और फार्मास्यूटिकल्स और पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद हैं। निर्यात बास्केट में इनमें से अधिकांश उत्पादों पर, ट्रम्प का उच्च टैरिफ उल्टा पड़ सकता है, जिससे अमेरिकी उपभोक्ता निराशा में पड़ सकते हैं और उन्हें उच्च कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, हीरे और अर्ध–कीमती पत्थर, वस्त्र और रेडीमेड वस्त्र वे उत्पाद हैं, जो अमेरिका को भारत के निर्यात बास्केट का लगभग पांचवां हिस्सा हैं। इनमें से किसी भी उत्पाद समूह में, अमेरिकी निवेशक न तो निवेश करने के लिए उत्सुक हैं और न ही उनके पास प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उत्पादन करने का कौशल है। भारतीय हीरों का प्रवेश मानवीय क्षमता पर निर्भर करता है, जिसके लिए कारीगरों के कई वर्षों के अनुभव की आवश्यकता होती है। भारत को छोटे हीरों की कटाई और पॉलिशिंग के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में जाना जाता है। वे आकार और ग्रेड में विविध रेंज के साथ कम श्रम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले अच्छी तरह से कटे हुए हीरे का उत्पादन करते हैं। जटिल डिजाइन, कुशल शिल्प कौशल, कम कीमत, शैलियों की बड़ी विविधता और विविध समुदायों से आने वाले विविध डिजाइन और फैशन जैसे कारकों के संयोजन के कारण भारतीय परिधान यूएसए में लोकप्रिय हैं।भारतीय परिधान अपने जटिल पैटर्न, कढ़ाई और रेशम और कपास जैसे विविध कपड़ों के कारण वियतनामी और चीनी परिधानों की तुलना में अधिक पसंद किये जाते हैं, जो एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। तेल रिफाइनरी उत्पाद, दवाएं और फार्मास्यूटिकल्स भारत के संयुक्त राज्य अमेरिका को कुल निर्यात में बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं। 2023–24 में वे भारत के अमेरिका को कुल निर्यात के लगभग 19 प्रतिशत थे। भारतीय तेल रिफाइनरी उत्पादों को अमेरिका में अन्य देशों के मुकाबले इसलिए पसंद किया जाता है क्योंकि वे सस्ते रूसी तेल के कारण किफायती होते हैं। प्रतिबंध के बाद, रूसी कच्चे तेल की कीमत भारत के लिए 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी, जबकि वैश्विक कीमत 80 से 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। जाहिर है, ट्रंप के संरक्षणवाद का पिछला अनुभव खतरे को कम करेगा। ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017–20) के दौरान, जीएसपी योजना (सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली) के तहत विशेष दर्जा वापस लेने और स्टील और एल्युमीनियम पर उच्च टैरिफ लगाने से भारत से निर्यात कम नहीं हुआ। संयोग से, इस अवधि में जीएसपी लाभ की चमक फीकी पड़ गयी। यह अमेरिका को भारत के निर्यात का 2 प्रतिशत था। भारत वर्तमान में अमेरिकी बाजार में फार्मास्युटिकल उत्पादों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक और रेडीमेड कपड़ों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। सन् 2022 में, यह फार्मास्युटिकल उत्पादों के कुल आयात का 5.5 प्रतिशत और 2023 में अमेरिकी बाजार में रेडीमेड कपड़ों के कुल आयात का 7 प्रतिशत हिस्सा था। जेनेरिक दवाओं के लिए अमेरिकी एंटीबायोटिक्स जैसे मानक नुस्खों पर निर्भर हैं, जो मुख्य रूप से विकासशील देशों से प्राप्त होते हैं, जहां उत्पादन लागत कम है, जैसा कि कॉलिशन फॉर ए प्रॉस्पेरस अमेरिका का कहना है। फिर भी, भारत चीन पर बढ़त रखता है।हालांकि, चीन अमेरिका को रेडीमेड गारमेंट्स और दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, चीन पर उच्च आयात शुल्क भारत को बढ़त देगा। इससे भारत को अमेरिका में चीनी बाजार में हिस्सेदारी कम करने का लाभ मिलेगा। इस उद्देश्य के लिए, चीन पर उच्च आयात शुल्क भारतीय निर्यातकों के लिए भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क में वृद्धि के प्रभाव को संतुलित करने के लिए लाभकारी हो सकता है। बांग्लादेश के निर्यात में उथल–पुथल भारत के लिए टैरिफ प्रभावित परिधान निर्यात से निपटने का एक और कारक होगा। बांग्लादेश अमेरिका के बाजार में परिधानों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, जो परिधानों के आयात का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा साझा करता है। अमेरिका को आईटी सेवाओं के निर्यात में भारत ने बड़ा हिस्सा प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। 2023 में, भारत का अमेरिका को आईटी सॉफ्टवेयर का निर्यात 320 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। भारत से कुल सॉफ्टवेयर निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 55.5 प्रतिशत थी। आव्रजन पर प्रतिबंध भारत के सॉफ्टवेयर निर्यात के लिए बड़ा खतरा बन गया है। भारत एच–1बी वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी है। सालाना 70 प्रतिशत से अधिक एच–1बी वीजा भारतीयों को जारी किये जाते हैं।लेकिन, आव्रजन पर प्रतिबंध का एक दूसरा पहलू भी है, जो भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे अमेरिका में निवेश बढ़ सकता है। अमेरिकी आईटी फर्म, जो लागत प्रभावी सेवाओं के लिए भारत पर अधिक निर्भर रही हैं, ऑफ–शोर सेवाओं के लिए भारत में अपनी शाखाएं खोलेंगी। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, भारत में अमेरिकी एफडीआई में उछाल आया। इसने 2017 में 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 2020 में 14.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक की बड़ी छलांग लगायी। इंटेल और मॉर्गन स्टेनली जैसी बड़ी आईटी और वित्तीय सेवा कम्पनियों ने भारत में भारी निवेश किया। वर्तमान में, भारत में अमेरिकी निवेश मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर क्षेत्र में है परन्तु कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर उनका निवेश लगभग 44 प्रतिशत है। इसलिए, ट्रम्प के संरक्षणवाद की उच्च टैरिफ और आव्रजन विरोधी नीति का भारत के निर्यात पर कोई खास दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दीपिका पादुकोण

की धमाकेदार वापसी, ब्लैक गाउन में स्टाइल ने मोहा फैंस का दिल

दीपिका पादुकोण इन दिनों बड़े पर्दे पर लगातार धमाल मचा रही हैं। कल्कि 2898 एडी, पठान, जवान और फाइटर जैसी बैक–टू–बैक हिट फिल्मों के बाद वो बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही हैं। वहीं, पर्सनल लाइफ की बात करें तो पिछले साल उनके घर नन्ही परी आई। दीपिका और रणवीर सिंह ने अपनी बेटी का नाम दुआ रखा है, और पैरेंटहुड के इस नए सफर को वो पूरी तरह एंजॉय कर रहे हैं। मां बनने के बाद थोड़े समय के ब्रेक के बाद दीपिका पादुकोण ने शानदार कमबैक किया है। उन्होंने दुबई में एक ग्लोबल लग्जरी ज्वेलरी और वॉच ब्रांड के इवेंट में अपनी पहली इंटरनेशनल अपीयरेंस दी, जहां वो ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शामिल हुईं। उनके इस स्टाइलिश और ग्रेसफुल लुक ने एक बार फिर फैंस को इंप्रेस कर दिया। हाल ही में दीपिका पादुकोण एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने ब्लैक फ्लोई गाउन में अपने ग्लैमरस अंदाज से सबका ध्यान खींच लिया। डीप प्लंजिंग नेकलाइन वाले इस एलिगेंट आउटफिट में वो बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अपनी स्टाइल और ग्रेस से दीपिका ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो क्यों 'प्ग गर्ल' हैं। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं और उनकी एलिगेंस की खूब सराहना हो रही है। एक फैन ने कमेंट करते हुए कहा, हे भगवान, मेरा मुंह खुला रह गया, इसके लिए मुझे माफ करें?!!! एक और फैन ने लिखा है, "ओह दीपिका आप हमेशा आईटी गर्ल ही रहेंगी। एक कमेंट में लिखा गया,वउह! आप कितनी खूबसूरत लग रही हैं! एकदम एलीगेंस, ब्यूटी और ग्लो का परफेक्ट कॉम्बिनेशन। एक फैन ने दीपिका की तारीफ करते हुए लिखा, क्वीन इज बैक! एक फैन ने कमेंट किया, ओह माय वर्ड!!!! स्टनिंग। एक फैन ने तारीफ करते हुए लिखा, आप जो मां हैं। सबीसाची के लिए परफेक्ट म्यूज बनने से लेकर ग्लोबल इवेंट में जलवा बिखेरने तक, दीपिका हर बार

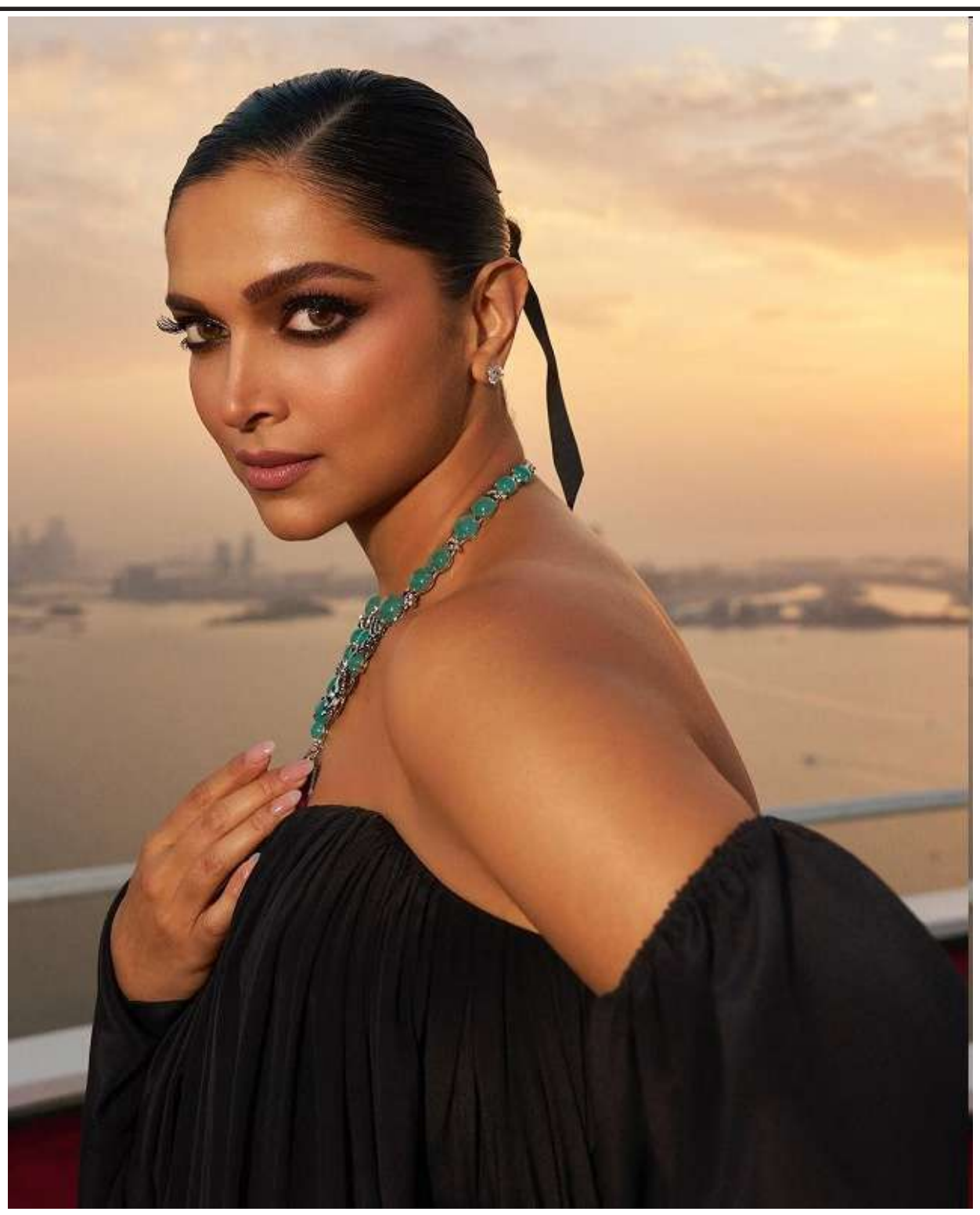

अपनी मौजूदगी से सभी को दीवाना बना रही हैं। वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें तो वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी के सीक्वल में एक बार फिर नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके दमदार परफॉर्मेंस को आइकॉनिक बताया गया था, और फैंस अब बेसब्री से उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

हेल्दी भोजन करो, टेंशन फ्री रहो : दिलजीत दोसांझ

अभिनेता–गायक दिलजीत दोसांझ ने एक वीडियो शेयर कर प्रशंसकों को हेल्दी भोजन का फायदा बताया। दोसांझ की मानें तो टेंशन फ्री रहने का सीक्रेट भी इसमें छुपा है! दिलजीत दोसांझ अपने खास अंदाज के साथ सोशल मीडिया पर उपस्थिति दर्ज कराते रहते हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए स्वस्थ भोजन को तनाव से मुक्ति का जरिया बताया। शेयर किए गए वीडियो में दिलजीत किसी होटल के रसोई में कुछ स्वादिष्ट और हेल्दी खाना बनाते नजर आए। वीडियो के साथ उन्होंने अपने हालिया रिलीज गाने 'टेंशन मित्रा नु है नीश को भी जोड़ा। दिलजीत फिल्म पंजाब 95 रिलीज के लिए तैयार है। जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित फिल्म का ट्रेलर हाल ही में निर्माताओं ने जारी किया था। फिल्म 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, जो कि आगे बढ़ चुकी है। दिलजीत दोसांझ ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'पंजाब 95' का फर्स्ट लुक भी शेयर किया था। उन्होंने कुल चार तस्वीरों को प्रशंसकों के सामने रखा था। शेयर की गई चार तस्वीरों में से पहली में दोसांझ जेल में कैद घायलावस्था में नजर आए। दूसरी तस्वीर में उनके हाथ में अखबार है और वह विचार करते दिखाई दिए। तीसरी तस्वीर में दोसांझ जलती चिता के पास खड़े हैं, जहां आग की ऊंची लपटें उठ रही हैं। चौथी और अंतिम तस्वीर में दोसांझ हाथ में पकड़े पन्नों को पढ़ते नजर आए। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित फिल्म के सेट से ली गई तस्वीरों को शेयर करते हुए दोसांझ ने कैप्शन में लिखा था, "मैं अंधेरे को चुनौती देता हूं। पंजाब 95। जसवंत सिंह खालरा पंजाब के अमृतसर में एक बैंक के निदेशक थे। पंजाब में उग्रवाद के बाद उन्होंने पंजाब पुलिस द्वारा हजारों युवा सिखों की हत्या और दाह संस्कार का एक रिसर्च में खुलासा किया था। जानकारी के अनुसार, इसके बाद उनका अपहरण कर लिया गया था। उनकी मौत आज तक रहस्य बनी हुई है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने 'पंजाब 95' के निर्माताओं को फिल्म में 120 कट करने का निर्देश दिया था। अपकमिंग फिल्म के निर्माता रॉनी स्क्रूवाला, अभिषेक चौबे और हनी त्रेहान हैं। फिल्म के निर्देशक हनी त्रेहान हैं। दिलजीत दोसांझ फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं, जो जसवंत सिंह खालरा की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म रिलीज की नई तारीख अभी सामने नहीं आई है।

सलमान खान स्टारर 'सिकंदर' के साथ आएगा 'हाउसफुल 5' का ट्रेलर

अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए खुशखबरी है। फिल्म का ट्रेलर जल्द रिलीज होने वाला है। जानकारी के अनुसार हाउसफुल 5 का ट्रेलर सलमान खान–रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'सिकंदर' के साथ जारी होगा। 'सिकंदर' इस साल ईद पर रिलीज होगी। फिल्म में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना भी हैं। वहीं, कई कलाकारों से सजी 'हाउसफुल 5' 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'सिकंदर' और 'हाउसफुल 5' दोनों ही फिल्मों का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। 'हाउसफुल 5' का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। मोस्ट अवेटेड फिल्म में अक्षय कुमार के साथ रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, चित्रांगदा सिंह, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। हाउसफुल 5' के अलावा नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के पास 'सिकंदर', टाइगर श्रॉफ की 'बागी 4' के साथ शाहिद कपूर की अनटाइटल्ड फिल्म भी है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। इस साल नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं, जो इसे और भी खास साल बनाता है। निर्माता सलमान खान के 'सिकंदर' का टीजर बीते साल दिसंबर में जारी कर चुके हैं, जिसमें सलमान खान एक्शन करते दिखे थे। सिकंदर' का निर्देशन एआर मुरुगादॉस ने किया है। मुरुगादॉस 'गजनी' जैसी फिल्म का निर्माण कर चुके हैं। 'सिकंदर' में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं।'सिकंदर' के साथ सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला 2014 की ब्लॉकबस्टर 'किक' के बाद एक बार फिर से साथ काम नजर आएंगे। सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद 2025 पर रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है।

अश्लील जोक्स विवाद पर बोले बोनी कपूर, हर किसी को सीमा में रहना चाहिए

फिल्म निर्माता बोनी कपूर और अभिनेता अर्जुन कपूर बुधवार को ओडिशा पहुंचे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से विधानसभा कक्ष में उन्होंने मुलाकात की और सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (सीसीएल) के लिए उन्हें आमंत्रित किया। बोनी कपूर ने मीडिया से बात करते हुए श्अश्लील जोक्स विवाद पर भी बात की। बोनी कपूर ने समय रैना के शो में रणवीर इलाहाबादिया के दिए अश्लील कमेंट्स पर कहा, "उन्हें अधिकारियों ने फटकार लगाई है और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मुझे यकीन है, और मैंने सोशल मीडिया पर उनके माफी के वीडियो को भी देखा है, उन्होंने जो

कहा है मैं उसका समर्थन नहीं करता हूं। स्टैंडअप कॉमेडी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बोनी कपूर ने कहा, षकिसी को भी ऐसे बयान से बचना चाहिए। हर किसी को एक सीमा में रहना चाहिए। अपनी सीमाएं खुद तय करनी चाहिए। भले ही आपको अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिली हो, आप जानते हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि आप अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह समाज में कहीं से भी स्वीकार्य नहीं है। अपने घर के भीतर आप जो चाहे बोल सकते हैं, लेकिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपको सावधान रहने और अनुशासित रहने की जरूरत है। बंगाल टाइगर्स टीम के मालिक बोनी कपूर ने सीसीएल के बारे में कहा कि ओडिशा के कटक स्थित बारामती स्टेडियम में भी लीग के मैच खेले जाएंगे। यहां पर चार टीमें खेलेंगी। दो मैच हैं। पहला मैच पंजाब दे शेर और भोजपुरी दबंग्स के बीच और दूसरा मैच मुंबई हीरोज और बंगाल टाइगर्स के बीच होगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बारे में बोनी कपूर ने कहा, "मलयालम इंडस्ट्री, मराठी फिल्म इंडस्ट्री है, भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री भी है, तो ओडिशा फिल्म इंडस्ट्री क्यों नहीं हो सकती? हमने मुख्यमंत्री के साथ अपनी योजना के बारे में चर्चा की है।"

प्रियंका सिंह और माही श्रीवास्तव का भोजपुरी गाना रसभरी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने किया रिलीज

सिंगर प्रियंका सिंह और एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव की हिट जोड़ी का भोजपुरी सांग रसभरी गुरुवार को रिलीज किया गया। इस गाने में माही श्रीवास्तव रसभरी बनकर अपनी नजाकत और कातिल अदा से सबको दीवाना बना रही हैं। इस गाने को नए अंदाज में सिंगर प्रियंका सिंह गाकर अपनी सुरीली आवाज का जादू चला रही हैं। यह फुल एंटरटेनिंग वीडियो सांग वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी ने अपने ऑफिशियल यूट्यूब चौनल पर रिलीज किया है।

सिंगर प्रियंका सिंह और एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव की कयामत ढाने वाली जोड़ी में आया यह गाना तहलका मचा रहा है। महंगे लोकेशन, महंगे कॉस्ट्यूम और काफी ज्यादा कोरस डांसर के साथ शूट किया गया यह सांग सबको हैरान कर रहा है। इस गाने के वीडियो में माही श्रीवास्तव कमाल के एक्सप्रेशन के साथ डांस का तड़का लगाते हुए महफिल लूट रही हैं और खूबसूरत अंदाज में फुल टू धमाल मचा रही हैं। इस गाने को लेकर माही श्रीवास्तव कहती हैं, ष्मैंने अब तक सारे गाने वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स म्यूजिक कंपनी से किए हैं, लेकिन हमारा यह सांग एक अलग ही एहसास दिला

रहा है। यह सांग मेरे दिल के बहुत करीब है। क्योंकि सांग बहुत ही बड़े पैमाने पर फिल्माया गया है, जो दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। मैं अपने फैंस और ऑडियंस को तहेदिल से धन्यवाद देती हूं, जो इस गाने को अपना भरपूर प्यार आशीर्वाद दे रहे हैं। प्रियंका सिंह ने कहा कि यह गाना बहुत ही सुंदर बना है। मुझे उम्मीद है कि गाना जल्द ही मिलेनियम क्लब में शामिल होकर सोशल मीडिया में धमाल मचाएगा। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत बिग ब्लॉस्ट सांग रसभरी के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गीत को सिंगर प्रियंका सिंह ने गाया है। इसके वीडियो में एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव ने शानदार अदायगी की है। इस गाने को गीतकार पिंकू बाबा ने लिखा है, जबकि संगीतकार विनय विनायक ने मधुर संगीत दिया है। पीआरओ ब्रजेश मेहर, वीडियो डायरेक्टर संदीप शर्मा, डीओपी हनी काम, कोरियोग्राफर अमित स्टाइल, असोसिएट डायरेक्टर खुशी शर्मा, एडिटर जैस सिंह सरारी हैं। इस गाने का ऑल राइट वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

जवां स्किन से लेकर याददाश्त बढ़ाने तक में फायदेमंद है मूंगफली

मूंगफली स्वादिष्ट होने के साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। बता दें कि मूंगफली को गरीबों का ड्राई फ्रूट कहा जाता है और इसकी तासीर गर्म होती है। सर्दियों में मूंगफली का सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। मूंगफली शरीर को गर्म रखने में मदद करती है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करती है। सर्दियों में मूंगफली का सेवन करने से सर्दी–जुकाम से बचाव होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सर्दियों में मूंगफली खाने के फायदे और नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं।

याददाश्त बढ़ाए

बता दें कि अल्जाइमर से पीड़ित लोगों को मूंगफली का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। वहीं यदि बुजुर्ग अपनी डाइट में मूंगफली को शामिल करते हैं, यह उनकी याद्दाश्त के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। वहीं जो लोग रोजाना मूंगफली का सेवन करते हैं, उनको भूलने की बीमारी नहीं होती है। याददाश्त तेज रखने के लिए आप पीनट बटर का सेवन कर सकते हैं।

हार्ट प्रॉब्लम और डायबिटीज

दिल की सेहत के लिए मूंगफली काफी फायदेमंद मानी जाती है। अगर आप मूंगफली का सेवन सीमित मात्रा में किया जाए, तो कई बीमारियां जैसे– स्ट्रोक और हार्ट अटैक आदि से बचाती हैं। ऐसे में अगर शरीर में कहीं क्लॉट्स हैं, तो मूंगफली के सेवन से यह ठीक होने लगता है। मूंगफली का ग्लाइसेमिल इंडैक्स अच्छा होता है। साथ ही यह डायबिटीज के रोगियों के लिए लाभकारी होता है। यह शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करती है।

हेल्दी फैट जरूरी

शरीर को विटामिन, मिनरल की तरह हेल्दी फैट की भी जरूरत होती है। हेल्दी फैट के लिए मूंगफली खाएं। इसमें मौजूद अन सैचुरेटेड फैट शरीर के लिए फायदेमंद हैं। रोजाना एक मुट्ठी मूंगफली खाना सेहत के लिए लाभकारी हैं काफी

स्किन होगी जवां

मूंगफली में विटामिन ई पाया जाता है। जो आपकी त्वचा को बूढ़ा होने से बचाता है। लेकिन ज्यादा यंग दिखने के चक्कर में आप ज्यादा मूंगफली का सेवन न करें। अगर देखा जाए, तो ड्राई फ्रूट्स में बादाम के बाद मूंगफली में सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है।

मूंगफली में मिनरल्स, विटामिन और एंटी–ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

मूंगफली से मिलेगी ऊर्जा

मूंगफली हेल्दी फैट और कार्बोहाइड्रेट एनर्जी का एक बेहतरीन स्त्रोत माना जाता है। सर्दियों में इसका सेवन करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। क्योंकि सर्दियों में मेटाबॉलिज्म पाया जाता है। वहीं मूंगलफली के सेवन से मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है और वह वेट बढ़ने से रोकता है।

रोजाना इतनी मूंगफली का सेवन फायदेमंद

एक कहावत है कि किसी भी चीज की अति अच्छी नहीं होती है। मूंगफली की तासीर गर्म होती है, इसलिए ज्यादा मूंगफली का सेवन सेहत को फायदा की जगह नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में मूंगफली का भरपूर लाभ लेने के लिए एक मुट्ठी से ज्यादा इसका सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही इसको भूनकर या छिलका उतारकर ही इसका सेवन करना चाहिए। मूंगफली का छिलका उतारकर इसका सेवन करने से इसको पचाना आसान होता है। मूंगफली को पचने में समय लगता है, इसलिए रात के समय इसका सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप मूंगफली और चने को रातभर भिगोकर इसको खाते हैं, तो आपके शरीर को भरपूर ताकत और ऊर्जा मिलती है। बता दें कि मूंगफली का पूरा फायदा तब मिलता है, जब इसको सीमित मात्रा में खाया जाए। पूरे दिन में एक मुट्ठी से अधिक मूंगफली खाने से मोटापा बढ़ सकता है। इसलिए मूंगफली का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को लगाएं केसरी हलवे का भोग

बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है और उनकी पसंदीदा पीली चीजों का भोग लगाकर उन्हें प्रसन्न किया जाता है। केसरी हलवा भी इन्हीं में से एक है। मां को इसका भी भोग लगाया जाता है। इसे बनाने के लिए सिर्फ सूजी, घी, केसर और चीनी का इस्तेमाल किया जाता है। आइए आपको बताते हैं इसकी आसान रेसिपी...

केसरी हलवा बनाने के लिए सामग्री

सूजी (रवा) / 1 कप
चीनी / 1 कप
देसी घी / 5 टेबल स्पून
केसर / 1 चुटकी
काजू / 10
बादाम / 10
पिस्ता / 10
इलायची पाउडर / 1 टी स्पून

केसरी हलवा बनाने की रेसिपी

1. केसरी हलवा बनाने के लिए सबसे पहले एक कड़ाही लें और उसमें घी डालकर गैस पर गर्म करें।
2. जब घी गर्म होकर पूरी तरह से पिघल जाए तो उसमें सूजी डाल दें और मीडियम आंच पर इसे भूनें।
3. इसी बीच दूसरे बर्तन में पानी और 1 कप चीनी डालकर मीडियम आंच पर रख दें।
4. अब केसर को हल्का सा कूट लें और उसमें चाशनी में डालकर अच्छी तरह से घोल लें।
5. वहीं, अब सूजी को करछी की मदद से सेंकने के दौरान बीच– बीच में चलाते रहें।
6. जब तक सूजी सिक रही है, उसी दौरान काजू, बादाम और पिस्ता को एक बाउल में लेकर छोटे– छोटे टुकड़ों में काट लें।

कम उम्र में लड़कियों को आ रहे हैं पीरियड्स, स्कूल से लेकर घर में ऐसे करें उन्हें तैयार

सार्वजनिक स्थानों पर मासिक–धर्म (पीरियड्स) का प्रबंधन करना कभी–कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन जरा कल्पना करें कि आठ साल की बच्ची को जब स्कूल में इससे निपटना पड़े तो क्या होगा। आपको कक्षा जारी रहने के दौरान अपना 'पैड बदलने की जरूरत पड़ सकती है और अपने दोस्तों को यह समझाना पड़ सकता है कि आप स्विमिंग कार्निवल में क्यों नहीं जा रही हैं। आपको यह डर सता सकता है कि आपकी पोशाक से बाहर खून आ जाएगा क्योंकि प्राथमिक कक्षाओं के शौचालयों में 'सैनिटरी पैड नहीं रखे होते हैं।

लड़कियों को बहुत जल्दी आ रहे हैं पीरियड्स

आमतौर पर लड़कियों के पहली बार मासिक–धर्म की प्रक्रिया से गुजरने की औसत आयु लगभग 13 वर्ष है। लेकिन लगभग 12 प्रतिशत लड़कियों को आठ से 11 वर्ष की आयु के बीच पहली बार इसका सामना करना पड़ जाता है। शोधार्थी इसे 'शुरूआती मासिक– धर्म कहते हैं। छात्राओं के एक हिस्से को उनके स्कूल के तीसरे वर्ष या दूसरे वर्ष में पहली बार मासिक–धर्म का सामना करना पड़ता है, लेकिन प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं को आधिकारिक तौर पर पांचवें साल और छठे साल तक (जब वे 10 और 12 वर्ष के बीच की होती हैं) यौवनारंभ के बारे में नहीं पढ़ाया जाता है। यह शोध वर्तमान अवधि की शिक्षा और शुरूआती मासिक–धर्म के लिए क्या सहायता उपलब्ध है, इस बारे में पता लगाता है। यह दर्शाता है कि स्कूल मानव विकास के इस आवश्यक पहलू के बारे में ज्ञान के द्वारपाल के रूप में क्या भूमिका निभा सकते हैं।

शर्मिंदगी महसूस करती हैं लड़कियां

मासिक–धर्म को लेकर शर्मिंदगी दुनिया के कई हिस्सों में सदियों से मौजूद है। शोधार्थियों ने उल्लेख किया है कि कैसे लड़कियों को मासिक–धर्म के बारे में बात नहीं करने के लिए सिखाया जाता है और यदि वे ऐसा करती हैं, तो यह अक्सर (दर्द और परेशानी पर ध्यान देने के साथ) नकारात्मक रूप में होता है। वर्ष 2021 के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 10 से 18 वर्ष की आयु की 659 ऑस्ट्रेलियाई छात्राओं में से 29 प्रतिशत इसे लेकर चिंतित थीं कि उन्हें मासिक–धर्म के कारण स्कूल में चिढ़ाया जाएगा। मासिक–धर्म के दौरान विश्वविद्यालय की 410 छात्राओं पर 2022 के ऑस्ट्रेलियाई सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल 16.2 प्रतिशत ने विश्वविद्यालय में अपने मासिक–धर्म के प्रबंधन में पूरी तरह से आत्मविश्वास महसूस किया। इनमें से आधी से अधिक छात्राओं का मानना था कि समाज की यह सोच है कि मासिक–धर्म वर्जित हैं (और इसलिए, ऐसी चीज नहीं है जिस बारे में आप बात करते हैं)।

किशोरियों को देनी चाहिए पूरी जानकारी

अन्य देशों में ऐसे शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के उदाहरण हैं जो मासिक–धर्म को अच्छा बताते हैं और यह सभी उम्र के लोगों के लिए सुलभ हैं। एक स्वीडिश पाठ्यक्रम, किशोरियों को जानकारी मुहैया करता है, प्रथम मासिक–धर्म के बारे में परामर्श देता है और इस बारे में भी बताता है कि मासिक–धर्म के बारे में वयस्क लोग बच्चों से कैसे बात करें।ऑस्ट्रेलिया के सरकारी, कैथोलिक और निजी प्राथमिक विद्यालयों में 15 कर्मचारियों से बातचीत की, उनसे उन छात्राओं के बारे में उनकी जागरूकता के बारे में पूछा, जो समय से पहले मासिक–धर्म की प्रक्रिया से गुजरीं। यह भी पूछा कि उनकी छात्राओं को मासिक–धर्म के बारे में कैसे शिक्षित किया जाता है, और उनके लिए क्या सहायता उपलब्ध है। कर्मचारियों ने बताया कि कैसे कम उम्र में मासिक–धर्म की प्रक्रिया से गुजरने वाली छात्राएं 'अलग–थलग महसूस करती हैं।

स्कूल में ये बातें समझाने की जरूरत

एक शिक्षक ने कहा कि आप सात और आठ साल की बच्चियों को डराना नहीं चाहते हैं। अगर यह कम उम्र में शुरू हो रहा है, तो इस बारे में पहले बात करने की जरूरत है। लेकिन यह कठिन है क्योंकि बहुत सारी लड़कियां इसे समझने के लिए पर्याप्त रूप से परिपक्व नहीं हैं। एक अन्य शिक्षक ने कहा कि स्कूल के तीसरे वर्ष में मासिक–धर्म के बारे में बात करना 'संभवतः कुछ ज्यादा ही हैश आप बच्चियों को सदमा नहीं पहुंचाना चाहेंगे। स्कूल कर्मचारी ने यह भी बताया कि कैसे लड़कों को मासिक–धर्म के बारे में जागरूकता कक्षाओं में अनिवार्य रूप से शामिल नहीं किया गया, और कैसे पुरुष शिक्षकों को इन मुद्दों पर बात करने का अनुभव नहीं हो सकता है। उन्होंने चिंता जताई कि लड़कों को मासिक धर्म के बारे में पढ़ाने से उन्हें लड़कियों को धमकाने या चिढ़ाने का मौका मिल सकता है। यह शोध ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यक्रम में स्कूल के तीसरे वर्ष या उससे पहले विशिष्ट मासिक–धर्म शिक्षा शुरू करने की आवश्यकता को बताता है। पाठ्यक्रम में यह समझाने की आवश्यकता है कि मासिक–धर्म क्या है, यह क्यों होता है, इसे कैसे प्रबंधित किया जा सकता है और यह उनकी सहेलियों को कैसे शुरू होगा और यह सामान्य चीज है।

सर्दियों में हेल्थ के साथ चाहिए टेस्ट तो डाइट में शामिल करें ओट्स के लड्डू, मिलेंगे कई फायदे

ओट्स के लड्डू में घी, सूखे मेवे और गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। हर उम्र के व्यक्ति के लिए ओट्स के लड्डू फायदेमंद होते हैं और इनके सेवन से बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। आइए जानते हैं ओट्स के लड्डू के फायदों के बारे में।

सर्दियों के मौसम में घरों में तिल और गोंद के लड्डू बनना शुरू हो जाते हैं। लेकिन क्या आपने ओट्स के लड्डू खाएं हैं। आपको बता दें कि ओट्स के टेस्ट में बेस्ट होने के साथ ही हेल्दी भी होते हैं। क्योंकि इन लड्डू में ओट्स के अलावा घी, सूखे मेवे और गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। हर उम्र के व्यक्ति के लिए ओट्स के लड्डू फायदेमंद होते हैं और इनके सेवन से बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ओट्स के लड्डू के सेवन से फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बीमारियों से लड़ने की ताकत

ओट्स के लड्डू में प्रोटीन और आयरन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। जिससे हमारे शरीर को एनर्जी मिलती है। क्योंकि सर्दियों के मौसम में खांसी–जुकाम और वायरस जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में ओट्स के लड्डू खाने से शरीर में इम्यूनिटी मजबूत होती है और शरीर बीमारियों से बचा रहता है। ओट्स में बीटा–ग्लूकैन और घुलनशील फाइबर पाया जाता है, जो बीमारी से लड़ने, वाइट ब्लड सेल और बीटा ग्लूकैन को एब्जॉर्ब करता है। बीटा–ग्लूकैन शरीर में एंटीबायोटिक बनाने के साथ ही घावों को जल्दी भरने में मदद करता है। साथ ही यह बैक्टीरिया, फंगस, वायरस और पैरासाट्स के इंफेक्शन से लड़ने में मदद करता है।

डाइजेशन सिस्टम

इसमें घुलनशील फाइबर पाया जाता है, जो आंतों को साफ करता है। साथ ही इसमें मौजूद फाइबर आंतों के कंट्रोल और कब्ज से राहत देता है। ऐसे में अगर आप अपच और कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपको अपनी डाइट में ओट्स जरूर शामिल करना चाहिए।

वेट लॉस

ओट्स में मौजूद फाइबर खून में ग्लूकोज के रिलीज को धीमा करता है। इससे आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे आपके लगातार खाने की आदत छूट जाती है। जो लोग रोजाना ओट्स का सेवन करते हैं उनमें मोटापे का खतरा भी कम होता है। ओट्स के लड्डू खाने से आपको वेट लॉस में मदद मिलती है।

मजबूत होंगी हड्डियां

ओट्स में मैग्नीशियम, कैल्शियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। साथ ही यह सिलिकॉन से भी भरपूर होता है। बता दें कि यह हड्डियों को मजबूती देने के साथ ही उन्हें स्वस्थ भी रखने में मदद करता है।

दिल रहेगा स्वस्थ

ओट्स के लड्डू का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है और हार्ट हेल्दी रहता है। ओट्स एक ब्लॉटिंग पेपर के रूप में काम करता है। क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल को सोखने का काम करता है और इसको कम करने में मददगार होता है। बीटा–ग्लूकैन इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर है, जो आंत में डाइटरी कोलेस्ट्रॉल के एब्सोर्पशन को कम करता है और बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को भी कम करने में सहायता करता है। इसके सेवन से कोरोनरी हार्ट डिज़ीज़ का खतरा कम होता है। साथ ही यह दिल संबंधी बीमारियों का खतरा भी कम करता है।

कंट्रोल रहता है ब्लड शुगर लेवल

ओट्स में मौजूद फाइबर इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाता है। साथ ही यह पोस्टप्रैंडियल ग्लूकोज़ लेवल कम करता है। खाना खाने के बाद बीटा–ग्लूकैन फाइबर ब्लड शुगर और इंसुलिन लेवल को कम करने में मददगार होता है। साथ ही यह आंतों को भी हेल्दी बनाता है। टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों को ओट्स का सेवन करना चाहिए।

कम होगा कैंसर का खतरा

विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ओट्स कैंसर पैदा करने वाले फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता है। इसमें एवेन्थ्रामाइड्स भी भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। जो सूजन से लड़ता है और हेल्जी सेल्स पर बिना कोई बुरा असर डाले कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है।

तनाव होगा कम

ओट्स के सेवन से हाइपरटेंशन का खतरा कम होता है और इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर नसों और धमनियों को साफ करता है। यह उन लोगों के लिए काफी शानदार साबित होता है, जो हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है।

त्वाच के लिए फायदेमंद

ओट्स जिंक से भरपूर होता है और पिंपल से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है। स्किन पर मौजूद एक्ट्रा ऑयल को ओट्स एब्जॉर्ब करता है और मुंहासों के इलाज का बेहद अहम हिस्सा है। यह सूखी और खुजली वाली त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। क्योंकि यह शानदार एंटी टैनिंग एजेंट के रूप में काम करता है। साथ ही यह स्किन की रंगत को भी हल्का करने में मददगार होता है।

बालों के लिए लाभकारी

बता दें कि ओट्स डैंड्रफ की समस्या का हल है और इसको बालों पर अप्लाई करने से बालों की जड़ें मजबूत होती है और बाल हेल्दी होते है। आप चाहें तो ओट्स हेयर मास्क से स्कैल्प को मॉइश्चराइज कर सकते हैं। इससे आपके बाल रेशमी और चमकदार बनेंगे।

एनर्जी बूस्टर

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर ओट्स एक बेहतरीन नाश्ता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन्स बी पाया जाता है। जो शरीर में एनर्जी लेवल को बढ़ाता है। वहीं फाइबर कंपोनेंट अधिक होने के कारण आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है।

बेहतर नींद

ओट्स का सेवन करने से मेलाटोनिन बनाने में सहायता मिलती है, जोकि नींद के लिए जरूरी होता है। यह सेरोटोनिन को रिलीज कर आराम महसूस करवाता है और तनाव को कम करता है। ओट्स में ट्रिप्टोफैन होता है जिसमें नींद लाने वाले गुण पाए जाते हैं।

गौतम गंभीर को करारा झटका, खिलाड़ियों के साथ कोच को भी मानने होंगे बीसीसीआई के नए नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज हारने के बाद बीसीसीआई ने 10 नीतियां बनाई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सीरीज से अब उन नियमों को लागू कर दिया गया है। इससे न सिर्फ खिलाड़ियों, बल्कि कोच गौतम गंभीर को नुकसान उठाना पड़ा है। दरअसल, बीसीसीआई ने टीम में अनबन की रिपोर्ट्स सामने आने के बाद कुछ सख्त नियम तैयार किए थे। इन बीसीसीआई की 10 नीतियां नाम दिया गया। इसमें परिवार के साथ रुकने से लेकर खिलाड़ियों के एक साथ ट्रैवल करने तक के नियम बनाए गए थे। बीसीसीआई के नए नियमों के मुताबिक, सपोर्ट स्टाफ के निजी सहायक या मैनेजर को अब टीम बस में सीनियर खिलाड़ियों के साथ यात्रा करने की अनुमति नहीं है। न ही उन्हें एक ही होटल में खिलाड़ियों या सपोर्ट स्टाफ के साथ जाने की अनुमति है। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भारतीय कोच के गंभीर के साथ हमेशा रहने वाले उनके निजी सहायक को दौरे के बाद बीसीसीआई की इस सख्ती का सामना करना पड़ा। बोर्ड दुबई में चौंपियंस ट्रॉफी के दौरान ऐसा नहीं होने देना चाहता है। यह बताया गया है कि गंभीर का पीए (पर्सनल असिस्टेंट) अब उन्हीं के होटल में रहने की जगह किसी अन्य होटल में रुक रहा है। इंग्लैंड और भारत के बीच सीरीज के दौरान ऐसा देखने को मिला है।

निजी सहायक दूसरे होटल में रुक रहा

न्यूज एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि श्कोचिंग स्टाफ के एक सदस्य का निजी सचिव, जिन्हें नियमित रूप से टीम होटल में ठहरते हुए देखा जाता था, अब एक अलग होटल में रहते हुए देखा गया है। हालांकि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान हर स्थान पर देखा गया है।श गंभीर ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान एकमात्र कोचिंग स्टाफ थे जिनके पास एक निजी सहायक था। कोच के पास अब वही सेटअप नहीं हो सकता है, क्योंकि बोर्ड ने आधिकारिक तौर पर अपना नया नियम लागू कर दिया है।

बीसीसीआई अधिकारी ने की थी शिकायत

बीसीसीआई के एक चिढ़े हुए अधिकारी ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के बाद समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया , श्उनका निजी सहायक राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए निर्दिष्ट कार में क्यों बैठा था? वे कार में किसी अज्ञात तीसरे व्यक्ति के साथ निजी तौर पर चीजों पर चर्चा भी नहीं कर सकते। उन्हें एडिलेड में बीसीसीआई के हॉस्पिटैलिटी बॉक्स में जगह क्यों दी गई?श

खबरें लीक होने से रोकना चाहता है बीसीसीआई

पिछले कुछ महीनों में भारतीय ड्रेसिंग रूम से लीक होना काफी आम हो गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भी खबरें लीक होने की बात सामने आई थी। ऐसा लगता है कि बोर्ड किसी भी अनधिकृत पहुंच की अनुमति न देकर इस तरह के श्लीकश को कम करने की कोशिश कर रहा है। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, उस निजी सहायक ने उस पांच सितारा होटल की घेराबंदी वाले क्षेत्र में नाश्ता कैसे किया जो सिर्फ टीम के सदस्यों के लिए निर्धारित है?

बीसीसीआई ने सख्ती से लागू किए 10 नियम

बीसीसीआई के फरमान के अनुसार चौंपियंस ट्रॉफी के दौरान खिलाड़ियों को उनके परिवार के सदस्यों, पत्नियों या भागीदारों के साथ जाने की अनुमति नहीं होगी। किसी भी तरह के अपवाद पर खिलाड़ी को परिवार की यात्रा का खर्च खुद वहन करना होगा। इस तरह के उपाय स्पष्ट रूप से पहले नहीं थे। बोर्ड ने निजी शेफ, हेयर स्टाइलिस्ट और खिलाड़ियों के एजेंटों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

संक्षिप्त

ब्रिटेन ने टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को मानद 'नाइटहुड' की उपाधि प्रदान की

नयी दिल्ली, एजेंसी। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को ब्रिटेन–भारत व्यापार संबंधों में उनकी सेवाओं के लिए ब्रिटेन द्वारा मानद 'नाइटहुड' से सम्मानित किया गया है। टाटा समूह ने शुक्रवार को बताया कि चंद्रशेखरन को 'ब्रिटिश साम्राज्य का सबसे उत्कृष्ट आदेश (नागरिक खंड) – मानद डीबीई/केबीई' (योद्धा या डेम कमांडर) से सम्मानित किया गया है। समूह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि चंद्रशेखरन को 'ब्रिटेन–भारत व्यापार संबंधों में योगदान के लिए राजा चार्ल्स द्वारा मानद नाइटहुड की उपाधि' प्रदान की गई। इस सम्मान पर चंद्रशेखरन ने कहा, "टाटा समूह को इस बात पर गर्व है कि उसने प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता, होटल, इस्पात, रसायन और वाहन क्षेत्रों में ब्रिटेन के साथ इतना मजबूत रणनीतिक संबंध बनाए रखा है।" उन्होंने कहा, "हमें जगुआर लैंड रोवर और टेटली जैसे अपने प्रतिष्ठित ब्रिटिश ब्रांड पर गर्व है। हम ब्रिटेन में 70,000 से अधिक लोगों को रोजगार दे रहे हैं।

जनवरी में थोक महंगाई दर में राहत, जनवरी में 2.31 प्रतिशत रहा डब्लूपीआई

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की थोक मूल्य मुद्रास्फीति जनवरी 2025 में घटकर 2.31 प्रतिशत हो गई, जो दिसंबर 2024 में 2.37 प्रतिशत थी। खाद्य और ईंधन की कीमतों में नरमी से थोक मुद्रास्फीति में कमी आई। इससे पहले, खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट का रुख जारी रहा और जनवरी में यह पांच महीने के निचले स्तर 4.31 प्रतिशत पर आ गई, जिसका

मुख्य कारण सब्जियों, अंडे और दालों की कीमतों में गिरावट थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 5.22 प्रतिशत और जनवरी 2024 में 5.1 प्रतिशत थी। पिछली निम्न मुद्रास्फीति अगस्त 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अक्टूबर से गिरावट पर है। जनवरी में खाद्य टोकरी में मुद्रास्फीति 6.02 प्रतिशत थी, जो अगस्त 2024 के बाद सबसे कम थी जब यह 5.66 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि दिसंबर 2024 की तुलना में जनवरी 2025 की हेडलाइन मुद्रास्फीति में 91 आधार अंकों की गिरावट आई है और यह अगस्त 2024 के बाद साल–दर–साल सबसे कम मुद्रास्फीति है। वहीं, जनवरी महीने में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.31 प्रतिशत पर आ गई जो पांच महीनों का निचला स्तर है। यह गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, अंडों और दालों की कीमतों में कमी के कारण आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर, 2024 में 5.22 प्रतिशत और जनवरी, 2024 में 5.1 प्रतिशत पर रही थी। इससे पहले सबसे कम मुद्रास्फीति अगस्त, 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अक्टूबर से ही गिरावट पर है।

पेटीएम मनी में अतिरिक्त गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति

पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने बृहस्पतिवार को राजीव कृष्ण मुरलीलाल अग्रवाल को पेटीएम मनी का अतिरिक्त गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की। पेटीएम मनी, वन97

कम्युनिकेशंस के पूर्ण–स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। कंपनी के बयान के मुताबिक, अग्रवाल पेटीएम मनी में ऑडिट समिति के सदस्य और जोखिम प्रबंधन समिति एवं कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति के अध्यक्ष के रूप में भी काम करेंगे। अग्रवाल के पास 40 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) में 28 वर्षों तक कार्य किया है। पेटीएम मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश सिंह ने कहा, कंपनी के संचालन और जोखिम प्रबंधन में अग्रवाल की गहन विशेषज्ञता के साथ हमें विश्वास है कि उनका मार्गदर्शन इन प्रयासों को मजबूत करेगा।

रुपया आठ पैसे मजबूत होकर 86.85 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी मुद्रा के उच्च स्तर से नीचे आने और घरेलू शेयर बाजारों के अनुकूल रुख दिखाने से रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.85 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.86 पर खुला और शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़त के साथ 86.85 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.93 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.03 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75.16 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से2,789.91 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

पाकिस्तान के बाबर आजम ने वनडे में पूरे किए 6000 रन, विराट कोहली से कम पारियों में हासिल की उपलब्धि

कराची। पाकिस्तान के बाबर आजम संयुक्त रूप से सबसे तेजी से वनडे में 6000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बाबर ने यह उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची के नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल मैच के दौरान हासिल की। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर ने यह कारनामा विराट कोहली से कम पारियों में पूरा किया है।

हाशिम अमला की बराबरी की

बाबर ने 123 वनडे पारियों और 126 मैचों में 6000 रन पूरे किए। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला ने भी इस उपलब्धि पर पहुंचने के लिए इतनी पारियां ली थी। विराट कोहली ने 2014 में 136 पारियों में वनडे में 6000 रन पूरे किए थे। कोहली ने यह कारनामा हैदराबाद में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान पूरा किया था। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन (139 पारी) और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेविड वॉर्नर (139 पारी) इस सूची में शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हैं।

सबसे तेजी से पूरे किए थे 5000 वनडे रन

बाबर मई 2023 में सबसे तेजी से वनडे में 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने 97 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। हालांकि, वनडे विश्व कप 2023 के बाद से बाबर की फॉर्म अच्छी नहीं चल रही है। बाबर पिछली सात वनडे पारियों में सिर्फ दो बार 50+ स्कोर खड़ा कर चुके हैं। बाबर आजम के पास सबसे तेजी से 6000 रन पूरा करने का अवसर था, लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में 23 रन पर आउट हो गए थे। हालांकि, बाबर शुक्रवार को यह उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे।

बड़ी पारी नहीं खेल सके बाबर

बाबर त्रिकोणीय सीरीज में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में 10 रन बनाए। बाबर के सामने फाइनल में दमदार प्रदर्शन करने का मौका था, लेकिन वह 34 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। बाबर को नाथन स्मिथ ने अपना शिकार बनाया। बाबर भले ही बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन वनडे में अपने नाम छह हजार रन पूरे करने की उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे।

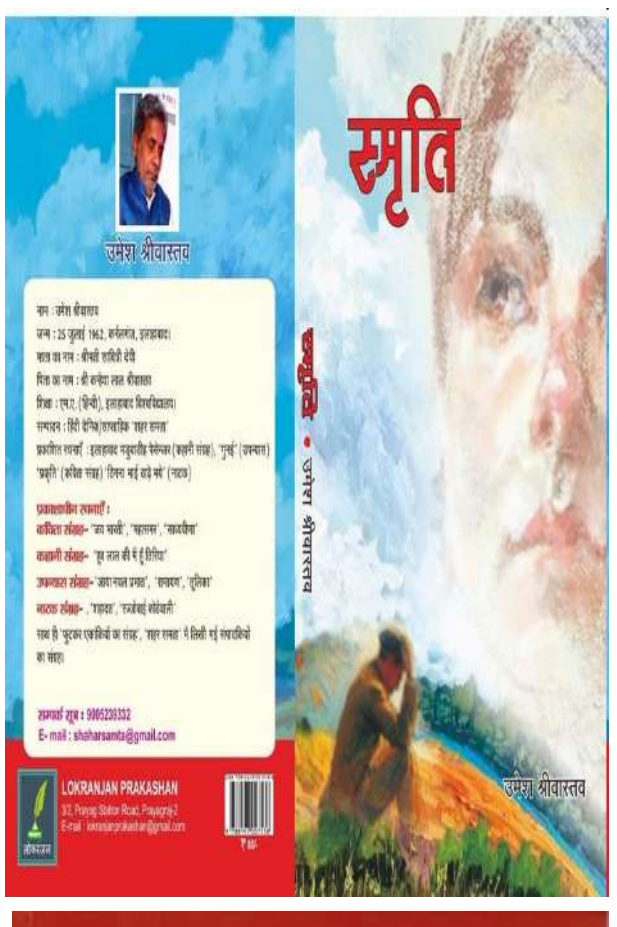

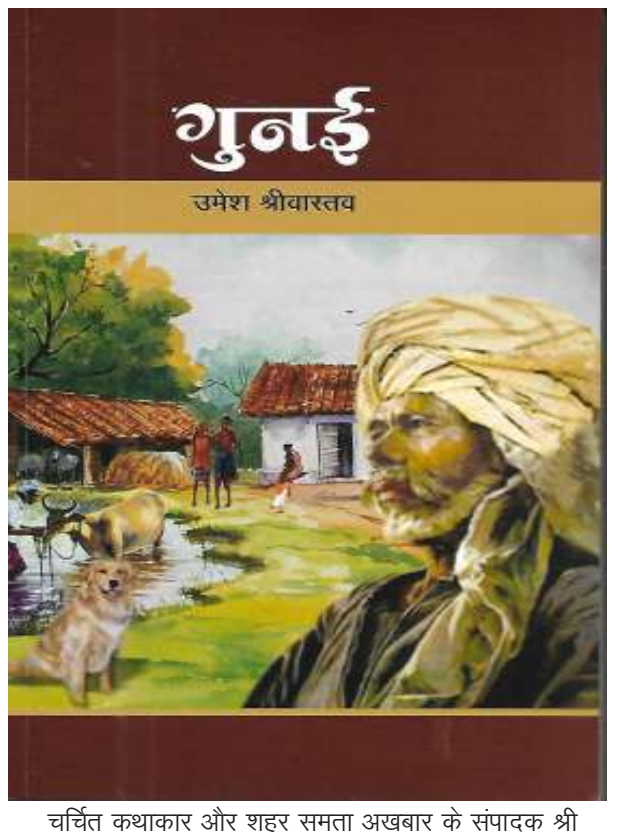

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

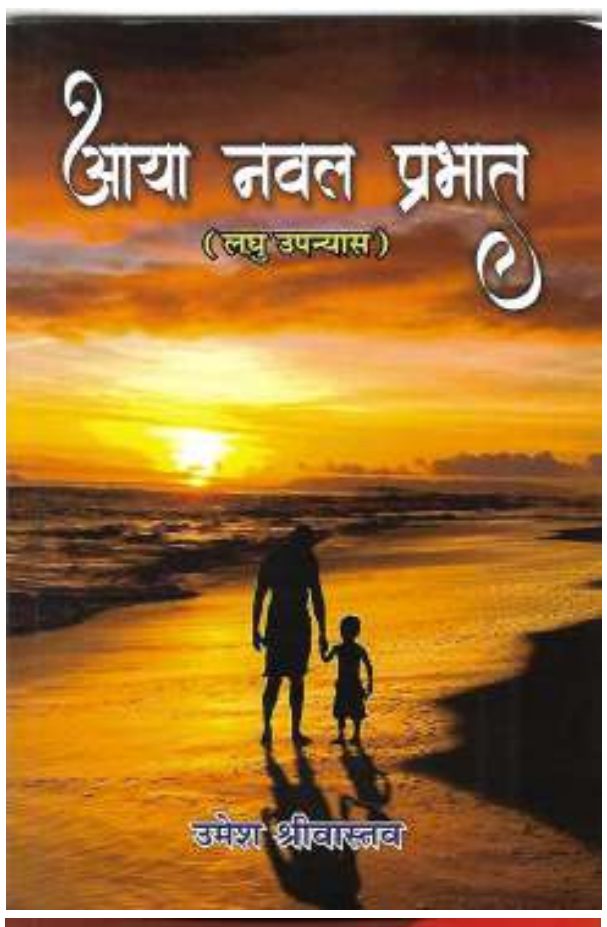

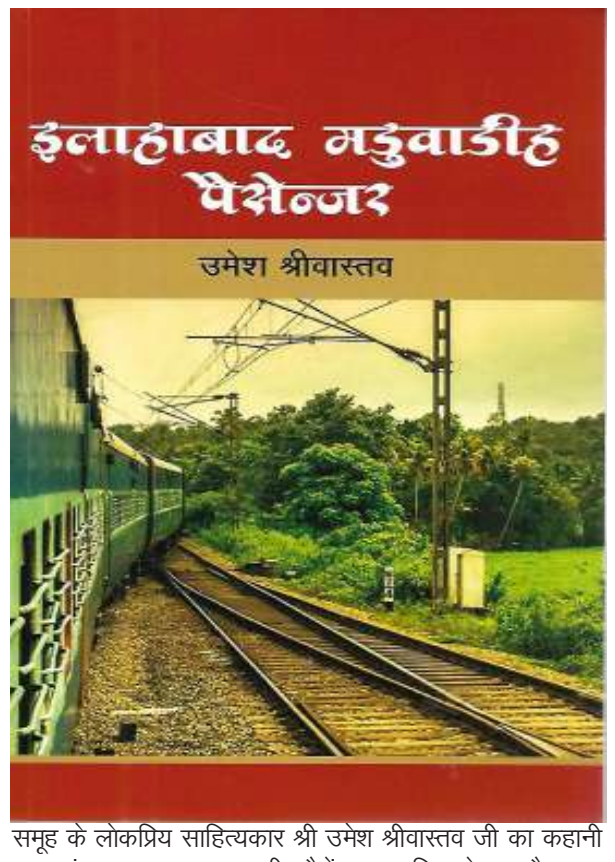

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

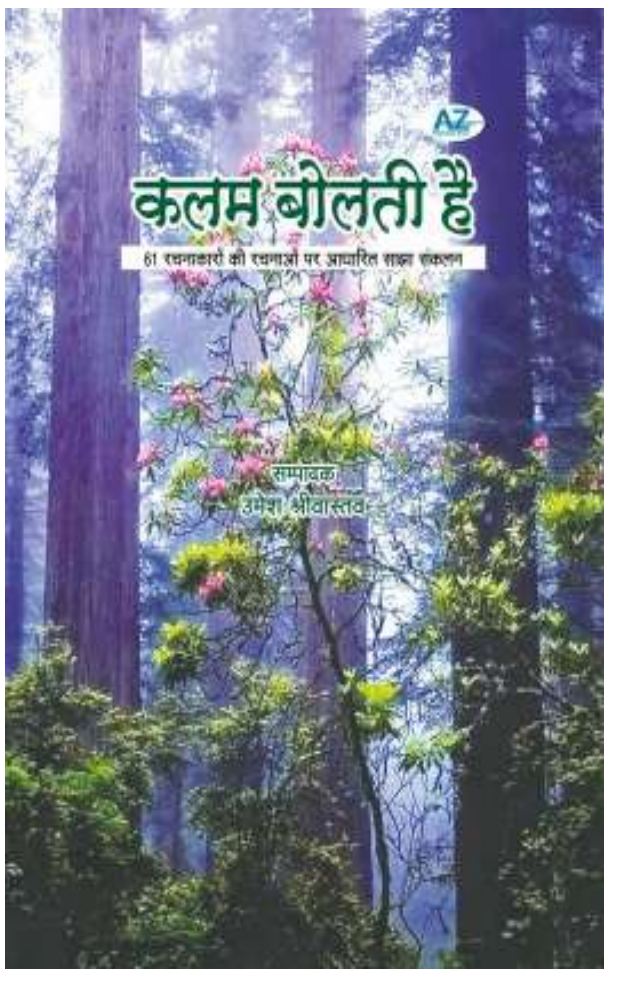

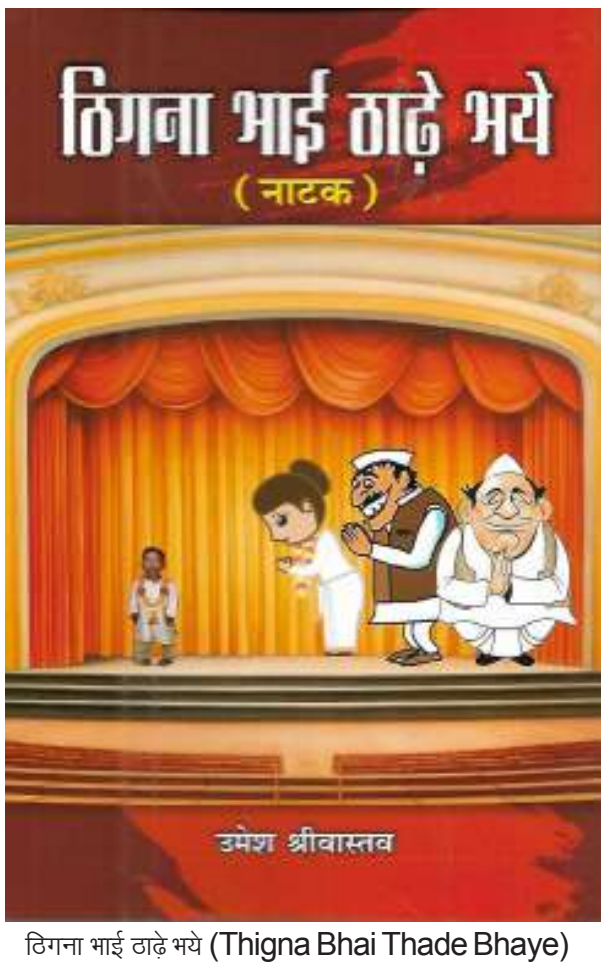

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत के लिए मान गये पुतिन, ज़ेलेंस्की पीछे हटेंगे, रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होगी!

खास कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि रूस–यूक्रेन युद्ध में ताजा अपडेट क्या है? क्या मोदी–ट्रंप मिलकर इस युद्ध का समाधान निकाल पाएंगे? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि मोदी–ट्रंप मुलाकात में इस मामले पर चर्चा हुई और उम्मीद है कि अब जल्द ही यूएई में होने वाली वार्ता के दौरान जब ट्रंप और व्लादीमिर पुतिन आमने सामने बैठेंगे तो इस युद्ध का समापन हो जायेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के दरवाजे खोल दिए हैं, जिससे शांति की उम्मीदें बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि देखना होगा कि अपनी शर्तों पर युद्ध का समापन चाह रहे रूस की हर बात क्या यूक्रेन मान लेगा। उन्होंने कहा कि वैसे एक बात तो दिख रही है कि पुतिन ने ट्रंप का न्यौता स्वीकार कर संकेत दिया है कि वह भी अब युद्ध के समापन के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि अपने तीन साल पूरे करने जा रहा यह युद्ध अब शीघ्र ही समाप्त हो सकता है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि ट्रंप प्रशासन स्पष्ट कर चुका है कि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता नहीं दी जायेगी। यही नहीं ट्रंप तो रूस को वापस जी–7 में लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि बराक ओबामा ने रूस को जी–7 से बाहर कर गलती की थी। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति को ष्हत्यारा तानाशाहष और ष्ठगष बताया था, लेकिन ट्रंप ऐसी सोच नहीं रखते। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने तो 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान भी वादा किया था कि वह पद की शपथ लेने के बाद ष्24 घंटोंष के भीतर युद्ध समाप्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि यदि ट्रंप के प्रयास सफल होते हैं, तो यह उनकी बड़ी सफलता और दुनिया के लिए बड़ी राहत की बात होगी। उन्होंने कहा कि इस बात के साफ संकेत मिल रहे हैं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को बेमन से रूस की शर्तों को स्वीकार कर युद्ध मैदान से बाहर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन यह भी कह चुका है कि भविष्य में कोई भी अमेरिकी सैनिक यूक्रेन के लिए प्रतिबद्ध नहीं होगा, यूक्रेन को नाटो में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया जाएगा और रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा करने से पहले यूक्रेन के 2014 से पहले की सीमाओं पर लौटने के विकल्प को वस्तुतः खारिज कर दिया जाएगा। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इस मुद्दे पर मोदी–ट्रंप ने जो वार्ता की उस दौरान भारतीय प्रधानमंत्री ने यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध समाप्त कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों का स्वागत किया तथा इस बात पर जोर दिया कि संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं खोजा जा सकता तथा शांति के लिए वार्ता और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि मोदी ने कहा कि भारत युद्ध के मामले में तटस्थ नहीं रहा है और वह शांति का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिए अपने संदेश का जिक्र किया जिसमें उन्होंने पुतिन से कहा था कि 'यह युद्ध का युग' नहीं है। उन्होंने कहा कि वहीं ट्रंप ने कहा कि उन्होंने पुतिन के साथ लंबी और सार्थक बातचीत की और वह युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत की दिशा में आगे बढ़ने पर सहमत हुए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहां तक कहा कि वह और पुतिन अपनी–अपनी टीम द्वारा तुरंत बातचीत शुरू किए जाने पर सहमत हुए।

संक्षिप्त

ट्रंप के सुलह से नहीं बनेगी बात, रूस ने परमाणु रिएक्टर पर कर दिया अटैक?

एक तरफ जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से जंग रुकवाने के लिए बात की है। वहीं दूसरी तरफ रूसी सेना ने यूक्रेन को दहला कर रख दिया है। इन सब के बीच ऐसा लग रहा है कि रूस के हमले युद्धविराम की उम्मीद को पलीता न लगा दें। वो इसलिए क्योंकि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी ट्रंप से कह दिया कि वो पुतिन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। लेकिन इन सब के बीच कीव के हमले रूक नहीं रहे हैं। अब दावा किया जा रहा है कि रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर एक बैलेस्टिक मिसाइल अटैक किया है। जिसमें एक यूक्रेनी की जान चली गई और कई लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उच्च विस्फोटकों से लैस एक रूसी ड्रोन ने रात के समय कीव स्थित चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के सुरक्षात्मक आवरण पर हमला किया। जेलेंस्की और संयुक्त राष्ट्र परमाणु एजेंसी ने कहा कि हालांकि हमले से विकिरण का स्तर नहीं बढ़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि ड्रोन हमले से ढांचे को नुकसान पहुंचा और वहां आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 12 फरवरी के रात दो लोगों को फोन लगाया। पहला फोन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को और दोनों के बीच करीब 90 मिनट तक बातचीत हुई इसके बाद ट्रंप बोले की पुतिन जंग रोकने के लिए बातचीत को तैयार हैं और हम मिलकर इसपर काम करेंगे। ट्रम्प का अगला फोन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलडोमिर जेलेन्स्की को गया। दोनों के बीच करीब 60 मिनट तक बातचीत हुई इसके बाद ट्रंप ने बताया कि पुतिन की तरह ही जेलेन्स्की भी जंग रोकने के लिए तैयार है। दोनों फोन कॉल के बाद ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। रूस अब तक 20ः यूक्रेन के हिस्सों को कब्जा चुका। क्रीमिया पर 2014 में कब्जा। डोनेस्क, खार्किव, खेरसॉन, लुहान्सक और जापोरिळ्या ओब्लास्ट पर भी कब्जा कर चुका है।12,456 लोगों की जंग में मौत। वहीं, 28,382 लोग घायल हुए। यूक्रेन के अनुसार रूस के 4,30790 सैनिकों की मौत हुई है। हालांकि, रूस ने इससे इनकार किया है। स्वतंत्र स्रोतों के अनुसार जंग में एक लाख सैनिकों की मौत हुई है। इसमें यूक्रेन के 40 हजार सैनिक भी शामिल हैं।

स्वास्थ्य मंत्री बने रॉबर्ट एफ कैनेडी, 1ट्रिलियन डॉलर के बजट वाली एजेंसी की करेंगे निगरानी

रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने अगले अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा सचिव के रूप में शपथ ली है। पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अब लगभग 80,000 कर्मचारियों और एक ट्रिलियन डॉलर के बजट वाली प्रमुख स्वास्थ्य एजेंसियों की देखरेख करेंगे। गलियारे के दोनों ओर के सांसदों ने उनके आधारहीन स्वास्थ्य दावों और टीके पर संदेह पर सवाल उठाए थे। कैनेडी की पुष्टि 52–48 वोटों से हुई। किसी भी डेमोक्रेट ने उनका

समर्थन नहीं किया। पूर्व सीनेट बहुमत नेता मिच मैककोनेल कैनेडी के खिलाफ वोट करने वाले एकमात्र रिपब्लिकन थे। कैनेडी को राष्ट्रपति द्वारा सरकार के लगभग हर स्तर पर तेजी से बदलाव लाने के लिए नियुक्त किया गया है। सीनेट देर रात और सुबह–सुबह काम कर रही है क्योंकि वे राष्ट्रपति के शेष नामांकितों की पुष्टि करके उनके मंत्रिमंडल को पूरा करने की जल्दी में हैं। सांसदों ने 72–28 के वोट से ब्रूक रॉलिन्स को कृषि विभाग के प्रमुख के रूप में मंजूरी दे दी। कैनेडी ने ओवल कार्यालय में अपना शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया था। पद संभालने के बाद रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी), खाद्य और औषधि प्रशासन (एफडीए), राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) और मेडिकेयर और मेडिकेड सेवाओं के केंद्र जैसी एजेंसियों की देखरेख करेंगे। कैनेडी पर अमेरिकी स्वास्थ्य उद्योग की देखरेख करेंगे। खाद्य सुरक्षा, फार्मास्यूटिकल्स, सार्वजनिक स्वास्थ्य और टीकाकरण शामिल हैं। वह 2024 में स्वतंत्र रूप से व्हाइट हाउस के लिए दौड़े, लेकिन बाहर हो गए और ट्रम्प का समर्थन किया। संघीय स्वास्थ्य एजेंसी का नेतृत्व करने के लिए कैनेडी को नियुक्त करने के राष्ट्रपति के निर्णय पर कई रिपब्लिकनों ने संदेह व्यक्त किया। कई लोगों ने टीकाकरण पर कैनेडी की पिछली टिप्पणियों, निराधार स्वास्थ्य दावे करने वाले समूहों के साथ उनके संबंधों और गर्भपात पर उनके विचारों पर सवाल उठाए।

पाकिस्तान में बम विस्फोट में नौ लोगों की मौत

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को उस समय नौ कोयला खनिकों की मौत हो गयी जब उन लोगों को ले जा रहा वाहन एक बम विस्फोट की चपेट में आ गया। इस घटना में सात लोग घायल भी हुए हैं। हरनाई क्षेत्र के उपायुक्त हजरत वली काकर के अनुसार, यह घटना प्रांत के हरनाई जिले के शाहराग इलाके में हुई। पीड़ित एक मिनी ट्रक सवार थे। उन्होंने कहा कि घायलों को नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और उन्होंने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रैंड ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मामले में जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन अतीत में हुए इस तरह के हमलों के लिए प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी को जिम्मेदार ठहराया गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा : विदेश सचिव मिसरी

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत तहव्वुर राणा के आत्मसमर्पण और अमेरिका से उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर काम कर रहा है। उनका यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति की उस घोषणा के बाद आया जिसमें कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। मिसरी ने एक पत्रकार सम्मेलन में कहा, ''यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अमेरिकी प्राधिकारियों ने बहुत स्पष्ट निर्णय लिए हैं।'' 'व्हाइट हाउस' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी देने की घोषणा की। मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमलों में संलिप्तता का आरोपी राणा भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा वांछित है। राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने की समय–सीमा के बारे में 'पीटीआई–भाषा' द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मिसरी ने कहा, ''हम उसके आत्मसमर्पण और भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर काम कर रहे हैं। कुछ अंतिम चरण पूरे किए जाने हैं। दोनों पक्ष इस विशेष मुद्दे पर संपर्क में हैं।'' प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान जारी भारत–अमेरिका संयुक्त बयान में कहा गया है कि मोदी और ट्रंप ने इस बात पर पुनः जोर दिया कि आतंकवाद के वैश्विक संकट से लड़ा जाना चाहिए तथा दुनिया के हर कोने से आतंकवादियों के ठिकानों को समाप्त किया जाना चाहिए। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा वर्तमान में लॉस एंजिलिस के एक मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है। माना जाता है कि वह मुंबई के 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी–अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा है। भारत ने पिछले महीने कहा था कि वह राणा के शीघ्र प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, ''अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने 21 जनवरी को आरोपी की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। हम अब मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी को शीघ्र भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रक्रियागत मुद्दों पर अमेरिका के साथ काम कर रहे हैं।'' पाकिस्तान के 10 आतंकवादियों के एक समूह ने 26 नवंबर 2008 को अरब सागर के रास्ते मुंबई में घुसने के बाद एक रेलवे स्टेशन, दो आलीशान होटलों और एक यहूदी केंद्र पर समन्वित हमला किया। लगभग 60 घंटे तक जारी रहे इस हमले में 166 लोग मारे गए थे, इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और यहां तक घ्कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति भी बन गई थी। नवंबर 2012 में पाकिस्तान आतंकवादी समूह के एकमात्र जीवित आतंकी अजमल आमिर कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी पर लटका दिया गया था। भारत इस नृशंस हमले में शामिल लोगों को दंडित करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बना रहा है, लेकिन हमले के आरोपियों के खिलाफ अब तक मुकदमे की कार्रवाई बहुत आगे नहीं बढ़ पाई है।

रोजगार देने के नाम पर सत्ता में आये डोनाल्ड ट्रंप सरकारी कर्मचारियों की नौकरियां क्यों छीन रहे हैं?

अमेरिका में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के नाम पर सत्ता में आये डोनाल्ड ट्रंप ने लोगों की नौकरियां छीनना शुरू कर दिया है। हम आपको बता दें कि अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हजारों लोगों को बर्खास्त करना शुरू कर दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक कई सरकारी एजेंसियों से कर्मचारियों को निकाल दिया गया है और कई को ईमेल के जरिये वह तारीख बता दी गयी है जोकि उनके कार्यकाल की अंतिम तिथि होगी। छंटनी के इस अभियान में ट्रंप प्रशासन किसी भी विभाग को नहीं छोड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन का सबसे पहले निशाना उन कर्मचारियों पर है जिनकी नौकरी पक्की

नहीं है। बताया जा रहा है कि वयोवृद्ध मामलों के विभाग ने कहा है कि उसने 1,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है जबकि अमेरिकी वन सेवा ने 3,000 से अधिक लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। इसके अलावा शिक्षा विभाग, लघु व्यवसाय प्रशासन, उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो और सामान्य सेवा प्रशासन, जैसे विभागों में कर्मचारियों को ईमेल भेज कर उनको नौकरी से निकाले जाने की सूचना दे दी गयी है। देखा जाये तो सरकारी नौकरियों से लोगों को निकाले जाने से पूरे अमेरिका में हड़कंप की स्थिति है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि संघीय सरकार का बहुत सारा पैसा धोखाधड़ी में बर्बाद हो गया है। संघीय सरकार पर करीब 36 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है और पिछले साल उसे 1.8 ट्रिलियन डॉलर का घाटा हुआ था। ट्रंप का कहना है कि सरकारी सुधार की आवश्यकता पर द्विदलीय सहमति है। हम आपको बता दें कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, लगभग 280000 सरकारी कर्मचारियों को दो साल से भी कम समय पहले काम पर रखा गया था, जिनमें से अधिकांश अभी भी परिवीक्षा पर हैं, जिससे उन्हें बर्खास्त करना आसान हो जाता है। लेकिन ट्रंप जिस तरह श्नौकरी छीनोश अभियान आगे बढ़ा रहे हैं उससे ऐसा प्रतीत होता है कि बर्खास्तगी का अभियान परिवीक्षाधीन कर्मचारियों से आगे बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि टर्म कर्मचारियों के अलावा पूर्णकालिक कर्मचारियों को भी नोटिस भेजा जा रहा है। यह भी बताया जा रहा है कि अमेरिकी सरकार की मानव संसाधन शाखा, कार्मिक प्रबंधन कार्यालय के सभी परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को गुरुवार को एक ग्रुप कॉल करके निकाल दिया गया और वाशिंगटन में एजेंसी का मुख्यालय छोड़ने के लिए कहा गया। बताया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने तमाम सरकारी एजेंसियों से मुलाकात कर उन्हें कुछ अपवादों को छोड़कर अपने ज्यादातर परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को हटाने की सलाह दी है। वैसे अमेरिकी कानून कहता है कि सिविल सेवा कर्मचारियों को केवल खराब प्रदर्शन या कदाचार के लिए कानूनी रूप से हटाया जा सकता है और यदि उन्हें मनमाने ढंग से हटाया जाता है तो उनके पास अपील के अधिकार हैं। हालांकि परिवीक्षाधीन कर्मचारियों के पास कम कानूनी सुरक्षा है। बताया जा रहा है कि विभिन्न सरकारी महकमों को भेजे गये पत्रों में परिवीक्षाधीनों को कहा गया है कि एजेंसी को लगता है कि आप निरंतर रोजगार के लिए उपयुक्त नहीं हैं क्योंकि आपकी क्षमता, ज्ञान और कौशल वर्तमान जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं और आपका प्रदर्शन एजेंसी के साथ आगे के रोजगार को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसी क्रम में शिक्षा विभाग में हाल ही में नियुक्त किए गए 160 लोगों को पत्र भेज कर बताया गया है कि उनका निरंतर रोजगार ष्सार्वजनिक हित में नहीं होगा।ष यहां यह बात भी काबिलेगौर है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तो शिक्षा विभाग को ही बंद करने की अपनी इच्छा हाल में दोहराई थी। इस बीच, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने संवाददाताओं को बताया है कि लगभग 75,000 कर्मचारियों ने बायआउट के लिए साइन अप किया है। हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में जन्मे एलन मस्क और एक अस्थायी सरकारी एजेंसी क्ळम् में उनकी टीम को संघीय कार्यबल में बड़े पैमाने पर कटौती करने का काम सौंपा है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क ने क्ळम् सदस्यों को कम से कम 16 सरकारी एजेंसियों में भेज कर बड़े पैमाने पर छंटनी कराई है। बताया जा रहा है कि क्ळम् में एक शीर्ष कर्मचारी गेविन क्लिगर पै दफ्तर भी पहुंच चुके हैं। वैसे यह पहली बार था कि मस्क के किसी सहयोगी ने आईआरएस में प्रवेश किया है, जो लंबे समय से रिपब्लिकन का लक्ष्य रहा है।

चेर्नोबिल प्लांट पर अटैक का क्या झूठा दावा कर रहे जेलेंस्की? क्रेमलिन ने कह दी बड़ी बात

तीन सालों से चल रही जंग के बीच ट्रंप की कोशिशों के बाद युद्ध विराम की जगी उम्मीदों को उस वक्त झटका लगा जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि रूसी ड्रोन ने रात के समय कीव स्थित चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के सुरक्षात्मक आवरण पर हमला किया है। लेकिन अब इस दावे पर रूस की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। रूसी सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने यूक्रेन के इस दावे का खंडन किया कि रूस ने चर्नोबिल परमाणु संयंत्र के बाहरी सुरक्षा आवरण पर ड्रोन से हमला किया है। पेस्कोव ने संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि परमाणु बुनियादी ढांचे, परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान पर

हमला करने जैसी कोई बात ही नहीं है, ऐसा कोई भी दावा सच नहीं है। हमारी सेना ऐसा नहीं करती। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी अधिकारियों ने रात में हमले का दावा इसलिए किया क्योंकि वे वार्ता के माध्यम से युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों को विफल करना चाहते थे। जेलेंस्की और संयुक्त राष्ट्र परमाणु एजेंसी ने कहा कि हालांकि हमले से विकिरण का स्तर नहीं बढ़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि ड्रोन हमले से ढांचे को नुकसान पहुंचा और वहां आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 12 फरवरी के रात दो लोगों को फोन लगाया। पहला फोन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को और दोनों के बीच करीब 90 मिनट तक बातचीत हुई इसके बाद ट्रंप बोले की पुतिन जंग रोकने के लिए बातचीत को तैयार हैं और हम मिलकर इसपर काम करेंगे। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से शांति समझौता करने को कहा है। पेस्कोव ने कहा कि यह स्पष्ट है कि ऐसे लोग हैं (यूक्रेनी सरकार में) जो बातचीत की प्रक्रिया के किसी भी प्रयास का विरोध करना जारी रखेंगे और यह भी स्पष्ट है कि वे लोग इस प्रक्रिया को पटरी से उतारने की हर संभव कोशिश करेंगे।

मोदीट्रंप ने मिलकर कर दिया ऐलान, भारत आ रहा है अमेरिका का सबसे खतरनाक प्लेन, क्या पीछे रह गया रूस?

भारत में रूसी फाइटर जेट सुखोई 57 के शानदार प्रदर्शन के बाद अब बारी अमेरिका की थी। रूसी फाइटर जेट का ऑफर भारत को आए और अमेरिका पीछे रह जाए ऐसा कैसे हो सकता था। मौका था अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे का। मुलाकात का सिलसिला शुरू हुआ और मुलाकात के बाद ट्रंप का वो ऐलान पूरी दुनिया ने सुना जिसने फिर एक बार सभी को हैरान कर दिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।